RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 100 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 04-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

RERA REG. NO.: RAJ/P/2025/4228
https://rera.rajasthan.gov.in/

जयपुर में
आवासीय फ्लैट्स
हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

आज
अंतिम दिन

वाटिका इन्फोटेक सिटी,
अजमेर रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री जन
आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत
नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए
1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

नितल
स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

आवेदन की अंतिम तिथि
04 नवम्बर, 2025

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹18.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹43.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें
www.cmjanawaas.com

86 87 88 22 22

विकासकर्ता -
नितल
इंफ्राप्रॉजेक्ट्स
एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

महान आध्यात्मिक विभूति व सरलमना महासंत थे ताराचंदजी : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

चातुर्मास लाभार्थियों व कार्यकर्ताओं का सम्मान आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, साध्वी सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी के सान्निध्य में सोमवार को प्रवचन में महास्थविर दादा गुरुदेव श्री ताराचंद जी का पुण्य स्मृति दिवस तप त्याग पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने संतश्री ताराचन्दजी को महान आध्यात्मिक विभूति, अलौकिक व्यक्तित्व के धनी, सरलमना महान साधक संयमी शिरोमणि संत रत्न बताया। शौर्य पराक्रम, त्याग, दानवीरता के लिए प्रसिद्ध पावन भूमि मेवाड़ के बम्बोरा गांव में धर्मनिष्ठ मेहता परिवार में संत ताराचन्दजी का जन्म हुआ था। बचपन में ही उनके सिर से पिता का साया उठ गया था। उनकी माता बालक ताराचंद को साथ में लेकर उदयपुर आ गए थे। जहां पर गुरुदेवश्री पूनमचंदजी के पास मात्र दस वर्ष की लघुवय में संयम अंगीकार करते हुए उनका शिष्यत्व स्वीकार किया। फिर पुत्र ताराचन्दजी को मुनि बनते देखकर उनकी मां ने भी दीक्षा ले ली। छह महीने अपने गुरुदेव के साथ रहे कि फिर उनके गुरु का देवलोक गमन हो गया। आगे कलिकाल सर्वज्ञ महापुरुष ज्येष्ठमलजी की सेवा में आए और ज्येष्ठमलजी का सान्निध्य प्राप्त करते हुए संतश्री ज्येष्ठमलजी की खूब सेवा की। संतश्री ताराचन्दजी पी सरस्वती की भी खूब कृपा थी। वे महान त्यागी, सरलमना, फक्कड़ संत थे, जिनमें बच्चों जैसी सरलता थी।

श्री शालिभद्रमुनिजी, साध्वी समृद्धिश्रीजी ने अपने प्रवचन में महास्थविर दादा गुरुदेव ताराचंदजी के गुण स्मरण किए। इस अवसर पर चातुर्मास समिति के चेयरमैन अशोक रांका, शिक्षक संजयकुमार कचोलिया, राकेश लुंकड़, रेणु रांका आदि ने संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इस मौके पर रांका परिवार की गौत्र सामूहिक सामायिक आराधना साधना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि मंगलवार को सुबह प्रवचन में लाभार्थियों व कार्यकर्ताओं का सम्मान, बुधवार को चातुर्मास विदाई व कृतज्ञता दिवस समारोह व गुरुवार को सुबह 7.15 बजे संतों का पार्क वेस्ट अपार्टमेन्ट की ओर विहार होगा तथा प्रथम स्थान परिवर्तन होगा। कार्यक्रम का संचालन शालिभद्र मुनिजी ने किया।

'बेगूर आनंद यात्रा' के तहत श्रद्धालुओं ने दिगम्बर मंदिर व संतों के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बेगूर दिगंबर जैन समाज द्वारा 'बेगूर आनंद यात्रा' में रविवार को 100 से अधिक श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस यात्रा के तहत श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से कनकगिरि की यात्रा कर पवित्र तीर्थ क्षेत्र के दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने कनकगिरि तथा ब्रह्मदेवरा भगवान नेमिनाथ मंदिर के दर्शन कर आचार्य श्री पुण्यसागरजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्यश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को धर्म भावना बनाए रखनी चाहिए तथा आत्मकल्याण के मार्ग पर चलते हुए जीवन में सदाचार, संयम और अहिंसा को अपनाना चाहिए।

मानवसेवा कार्य
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ युवा संगठन के सदस्यों ने रविवार को श्रीरामपुरम के नीडबेस इंडिया गर्ल्स हाई स्कूल में मानव सेवा कार्य आयोजित किए। युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने प्रायोजक परिवार अजीतकुमार नितेश संचेती परिवार को धन्यवाद दिया। संगठन द्वारा स्कूली छात्राओं को प्रातः कालीन नाश्ता एवं स्टेशनरी,दैनिक उपयोग में आने वाली चीजें और राशन भेंट किया गया। इस मानव सेवी कार्य में मंत्री मनीष टुकलिया, मानव सेवा प्रभारी दिलीप हिरण, संगठन मंत्री संदीप चौधरी आदि ने सेवा प्रदान की।

हरियाणा में कानून-व्यवस्था की हालत खराब, परेशानी का सामना कर रहे हैं किसान : हुड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोमवार को कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है। हुड्डा ने यह भी कहा कि राज्य में किसान कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

हुड्डा ने पार्टी विधायकों की एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें हरियाणा की कानून-व्यवस्था, किसानों की समस्याओं और अन्य मुद्दों सहित राज्य की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई।

हुड्डा ने कहा, ''किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा है। उन्हें खाद और बीज नहीं मिल रहा है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक इन मुद्दों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों और शीतकालीन सत्र के दौरान विधानसभा में उठाएंगे।

हरियाणा में कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाये जाने के बाद हुड्डा की अध्यक्षता में यह विधायकों की पहली बैठक थी।

इस बीच हरियाणा कांग्रेस के प्रमुख राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि विधायकों की बैठक के अलावा, पार्टी के जिला अध्यक्षों की भी एक बैठक हुई।

सिंह ने संवाददाताओं से कहा, ''हरियाणा में एक अनुभवी नेता को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाया गया है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही हरियाणा के राज्यपाल से मुलाकात करेगा और विभिन्न मोर्चों पर किसानों और समाज के आम वर्गों के सामने आने वाली समस्याओं सहित विभिन्न 'ज्वलंत मुद्दों' को लेकर एक ज्ञापन सौंपेगा।

सख्ती से निपटेंगे : 'डिजिटल अरेस्ट' मामलों में 3000 करोड़ रुपये से अधिक उगाही पर न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने देश में 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामलों में भारी वृद्धि पर सोमवार को आश्चर्य जताया और कहा कि इनसे सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है। 'डिजिटल अरेस्ट' तेजी से बढ़ता साइबर अपराध है, जिसमें जालसाज ऑडियो या वीडियो कॉल पर खुद को कानून प्रवर्तन एजेंसियों, अदालत या सरकारी विभागों के कर्मचारी के रूप में पेश करके पीड़ितों को डराते-धमकाते हैं और उन पर रुपये देने का दबाव बनाते हैं। देश में 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामलों में वरिष्ठ नागरिकों सहित पीड़ितों से अब तक 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही किए जाने का अनुमान है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले में न्यायालय की मदद के लिए एक न्यायमित्र नियुक्त किया तथा गृह मंत्रालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से सीलबंद लिफाफों में पेश दो रिपोर्ट का अवलोकन किया। पीठ ने कहा, यह चौंकाने वाली बात है कि देशभर में वरिष्ठ नागरिकों सहित पीड़ितों से 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की जा चुकी है। अगर हम कड़े और कठोर आदेश पारित नहीं करते हैं, तो यह समस्या और बढ़ जाएगी। उसने कहा, हमें न्यायिक आदेशों के जरिये अपनी एजेंसियों के हाथ मजबूत करने होंगे। हम इन अपराधों से सख्ती से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 नवंबर की तारीख तय की। उसने कहा कि अगली सुवनाई पर वह न्यायमित्र के सुझावों के आधार पर कुछ निर्देश पारित करेगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि सीबीआई ने बताया है कि अपराध सिंडिकेट का संचालन विदेश से किया जा रहा है, जहां उनके वित्तीय, तकनीकी और मानव श्रम आधार वाले व्यापक घोटाला नेटवर्क हैं। केंद्र और सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि गृह मंत्रालय का साइबर अपराध प्रभाग इन

मुद्दों से निपट रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने हरियाणा के अंबाला में रहने वाली एक बुजुर्ग महिला की ओर से प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई को लिखे पत्र का संज्ञान लिया है, जिसमें महिला ने शिकायत की है कि जालसाजों ने अदालत और जांच एजेंसियों के जाली आदेशों के आधार पर उसे और उसके पति को डिजिटल अरेस्ट' किया तथा सितंबर में उनसे 1.05 करोड़ रुपये की उगाही की।

महिला ने पत्र में लिखा है कि डिजिटल अरेस्ट' के दौरान जालसाजों ने सीबीआई, ईडी और न्यायिक अधिकारी बनकर कई ऑडियो, वीडियो कॉल किए तथा उसकी और उसके पति की गिरफ्तारी के आदेश संबंधी कथित अदालती फैसले दिखाए। शीर्ष अदालत को बताया गया कि वारदात के सिलसिले में अंबाला स्थित साइबर अपराध विभाग में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के विभिन्न प्रावधानों के तहत दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। न्यायालय ने 27 अक्टूबर को कहा था कि वह 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामलों की व्यापकता और देश भर में इनकी बढ़ती संख्या को देखते हुए इनकी जांच सीबीआई को सौंपने का इच्छुक है। उसने विभिन्न राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़ी वारदातों के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी का विवरण मांगा था। शीर्ष अदालत ने कहा है कि वह सीबीआई जांच की प्रगति की निगरानी करेगी और इन अपराधों से निपटने के लिए जो भी आवश्यक होगा, निर्देश जारी करेगी। उसने सीबीआई से पूछा था कि क्या उसे 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामलों की जांच के लिए पुलिस बल से बाहर के साइबर विशेषज्ञों सहित अधिक संसाधनों की जरूरत है।

मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 20 नवंबर को उड़ान सेवाएं छह घंटे के लिए रहेंगी बंद

मुंबई। अदाणी समूह-एएआई के स्वामित्व वाला मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 20 नवंबर को छह घंटे के लिए उड़ान परिचालन के लिए बंद रहेगा। मानसून के बाद रनवे के व्यापक स्तर के रखरखाव के लिए यह फैसला किया गया है। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमआईएएल) ने कहा कि रनवे को बंद करने का निर्णय निरंतर सुरक्षा, विश्वसनीयता और वैश्विक विमानन मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

निजी हवाईअड्डा संचालक ने कहा कि व्यापक, वार्षिक मानसून पश्चात रखरखाव योजना के तहत दोनों क्रॉस रनवे (09/27 और 14/32) 20 नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे से शाम पांच बजे तक अस्थायी रूप से बंद रहेंगे। हवाई अड्डे के संचालक ने कहा कि रखरखाव में विस्तृत निरीक्षण, सतह की मरम्मत और रनवे पर रोशनी की व्यवस्था, चिह्नों और जल निकासी प्रणालियों का तकनीकी मूल्यांकन शामिल होगा।

रेणुका सिंह को एक करोड़ रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की हिमाचल सरकार ने

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विश्व चैंपियन बनी भारतीय महिला विश्व कप टीम की सदस्य तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर के लिए सोमवार को एक करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। रेणुका शिमला जिले के रोहड़ू की रहने वाली हैं। यहां संवाददाताओं से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे देश की बेटियों ने विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया है''। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए पूरी टीम और उसकी कप्तान को बधाई दी। बाद में मुख्यमंत्री ने रेणुका को फोन करके भी बधाई दी। उन्होंने उनकी गेंदबाजी की तारीफ की और कहा कि उन्होंने अपने प्रयास से विरोधियों पर दबाव बनाए रखा। सुक्खू ने रेणुका से कहा, ''मैंने फाइनल मैच देखा और आपने अच्छा प्रदर्शन किया और पूरे राज्य को आप पर गर्व है।'' मुख्यमंत्री ने उन्हें नौकरी देने का भी आश्वासन दिया।

क्रिकेटर क्रांति गौड़ को एक करोड रुपए का पुरस्कार देगी मध्य प्रदेश सरकार

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश सरकार ने विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य क्रांति गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सोमवार को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार विश्व कप जीता। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यहां पत्रकारों से कहा, मैं हमारी राज्य की बेटी और देश की बेटियों को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने कल रात क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भारत की बेटियां उसी तरह आगे बढ़ रही हैं, जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, मध्यप्रदेश की बेटी क्रांति गौड़ भी महिला विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। मैं क्रांति को बधाई देना चाहता हूं और राज्य सरकार की ओर से छतरपुर की बेटी क्रांति को एक करोड़ रुपये देने की घोषणा करता हूं,। बुंदेलखंड के छतरपुर के घुवारा की रहने वाली क्रांति गौड़ ने अपनी गेंदबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

निर्वाचन आयोग भाजपा नेताओं के खिलाफ शिकायत पर कार्रवाई नहीं कर रहा

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भाजपा नेताओं द्वारा बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को धमकी दिए जाने की शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं कर रहा है। तृणमूल कांग्रेस ने उनके खिलाफ कार्रवाई का आह्वान किया है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग भाजपा का सहयोगी बन गया है। तृणमूल सांसद कोलकाता नगर निगम के पूर्व महापौर सोवन चटर्जी और उनकी मित्र बैसाखी बनर्जी से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने दावा किया, ''पश्चिम बंगाल में छह लोगों की इस डर से मौत हो गई कि एसआईआर के दौरान उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे। निर्वाचन आयोग और भाजपा निर्वासन के बारे में लोगों में भय और अनिश्चितता पैदा करके वास्तविक नागरिकों को मौत के कगार पर धकेलने के लिए जिम्मेदार हैं।'' बनर्जी ने कहा, ''कई भाजपा नेताओं ने उन बीएलओ को धमकियां दी हैं जिन्हें निर्वाचन आयोग के अधीन काम करने वाले सरकारी कर्मियों के रूप में अपना कर्तव्य निभाना होता है।

भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है वंशवाद : थरूर

जब राजनीतिक सत्ता का निर्धारण योग्यता, प्रतिबद्धता या जमीनी स्तर पर जुड़ाव के बजाय वंशवाद से होता है, तो शासन की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा है कि वंशवादी राजनीति भारतीय लोकतंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है और अब समय आ गया है कि भारत वंशवाद की जगह योग्यता को अपनाए। उन्होंने कहा कि जब राजनीतिक सत्ता का निर्धारण योग्यता, प्रतिबद्धता या जमीनी स्तर पर जुड़ाव के बजाय वंशवाद से होता है, तो शासन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन 'प्रोजेक्ट सिंडिकेट' के लिए लिखे एक लेख में तिरुवनंतपुरम के सांसद ने बताया कि नेहरू-गांधी परिवार कांग्रेस से जुड़ा हुआ है, लेकिन राजनीतिक परिदृश्य में वंशवाद का बोलबाला है।

थरूर का यह बयान भारत-पाकिस्तान संघर्ष और पहलगाम हमले के बाद राजनयिक प्रयासों पर उनकी टिप्पणियों को लेकर उठे विवाद के कुछ सप्ताह बाद आया है। उस समय उनकी टिप्पणियां कांग्रेस के रुख से अलग थीं और कई पार्टी नेताओं ने उनकी मंशा पर सवाल उठाते हुए उन पर निशाना साधा था। 'इंडियन पॉलिटिक्स आर ए फेमिली बिजनेस' शीर्षक वाले लेख में थरूर ने कहा कि दशकों से एक परिवार भारतीय राजनीति पर हावी रहा है और नेहरू-गांधी परिवार का प्रभाव भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से जुड़ा हुआ है।

उनका कहना था, लेकिन यह विचार पुख्ता हुआ है कि राजनीतिक नेतृत्व एक जन्मसिद्ध अधिकार हो सकता है। यह विचार भारतीय राजनीति में हर पार्टी, हर क्षेत्र और हर स्तर पर व्याप्त है। थरूर ने कहा कि बीजू पटनायक के निधन के बाद उनके बेटे नवीन ने अपने पिता की खाली लोकसभा सीट जीती। उन्होंने कहा कि महारानई में शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे ने यह पद अपने बेटे उद्धव को सौंप दिया और अब उद्धव के बेटे आदित्य भी प्रतीक्षारत हैं।

थरूर ने राजनीतिक वंशवाद के और उदाहरण देते हुए कहा, यही बात समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव पर भी लागू होती है, जो उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं और जिनके बेटे अखिलेश यादव बाद में उसी पद पर रहे। अखिलेश अब सांसद और पार्टी के अध्यक्ष हैं। बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता रामविलास पासवान के बाद उनके बेटे चिराग पासवान ने पार्टी की कमान संभाली। उन्होंने जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना, पंजाब और तमिलनाडु में भी वंशवादी राजनीति की मिसालें दीं। थरूर ने यह भी तर्क दिया कि यह (वंशवादी राजनीति) केवल कुछ प्रमुख परिवारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि ग्राम सभाओं से लेकर संसद तक, भारतीय शासन के ताने-बाने में गहराई से समाई हुई है।

उन्होंने पाकिस्तान में भुट्टो और शरीफ परिवार, बांग्लादेश में शेख और ज़िया परिवार तथा श्रीलंका में भंडारनायके और राजपक्षे परिवार का उदाहरण देते हुए कहा, सच कहूं तो, इस तरह की वंशवादी राजनीति पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में प्रचलित है। थरूर का कहना था, लेकिन ये भारत के जीवंत लोकतंत्र के साथ ख़ास तौर पर बेमेल लगते हैं। फिर भारत ने वंशवादी मॉडल को इतनी पूरी तरह क्यों अपनाया है? एक कारण यह हो सकता है कि एक परिवार एक ब्रांड के रूप में प्रभावी रूप से काम कर सकता है...अगर मतदाता किसी उम्मीदवार के पिता, चाची या भाई-बहन को स्वीकार करते हैं, तो वे शायद उम्मीदवार को स्वीकार कर लेंगे - विश्वसनीयता बनाने की कोई ज़रूरत नहीं है। थरूर ने इस बात पर जोर दिया कि वंशवादी राजनीति भारतीय लोकतंत्र के लिए एक गंभीर ख़तरा है।

दादर कबूतरखाना बंद होने के खिलाफ जैन मुनि ने शुरू किया प्रदर्शन

मुंबई/भाषा। जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय ने दादर कबूतरखाने को बंद करने के नगर निगम के निर्णय के खिलाफ सोमवार को मुंबई के आजाद मैदान में प्रदर्शन शुरू किया। समुदाय के सदस्य कबूतरों को दाना डालने के लिए पारंपरिक रूप से दादर कबूतरखाने का इस्तेमाल करते रहे हैं। मुनि ने बीएमसी मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन शुरू करने से पहले पत्रकारों से कहा कि वह कबूतरखाने पर लगी रोक हटाने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन कर सकते हैं।

बीएमसी ने हाल ही में चार स्थानों वर्ली रिजर्वॉयर, अंधेरी पश्चिम में लोखंडवाला बैक रोड के मैंग्रोव क्षेत्र, ऐरोली-मुलुंड चेकपोस्ट क्षेत्र और बोरिवली वेस्ट के गोरेई मैदान पर सीमित तरीके से कबूतरों को दाना डालने की अनुमति दी है। बीएमसी के अनुसार, इन स्थलों पर सुबह सात से नौ बजे तक ही दाना डाला जा सकता है और गैर-सरकारी संगठन इसकी देखरेख करेंगे। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि यह अस्थायी प्रबंध है और विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट तथा अदालत से आदेश मिलने तक बंद कबूतरखानों को फिर से नहीं खोला जाएगा।

नीलेशचंद्र विजय ने पत्रकारों से कहा, आजाद मैदान पहुंचते ही मैंने पानी पीना छोड़ दिया है। मैं डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा लिखे गए संविधान के दायरे में रहकर विरोध प्रदर्शन कर रहा हूं, जिन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जताने का अधिकार दिया है। जैन मुनि ने कहा, कबूतरखाने के लिए चार वैकल्पिक जगह देने के फैसले से मैं सहमत नहीं हूं। मैं दादर कबूतरखाने को फिर से खुलवाना चाहता हूं। बीएमसी की ओर से निर्धारिक वैकल्पिक जगहें 4, 5 और यहां तक कि 9 किलोमीटर दूर हैं। क्या कोई कबूतर इतनी दूर उड़कर जा सकता है? प्रशासन को मौजूदा कबूतरखाने से दो किलोमीटर के अंदर ही जगह देनी चाहिए थी।

उन्होंने कहा कि वह एक महीने तक अन्न-जल त्यागकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। मुनि ने कहा, यदि (मराठा आरक्षण कार्यकर्ता) मनोज जरांगे अपने समुदाय के हित के लिए आजाद मैदान में आंदोलन कर सकते हैं, तो मैं सभी जानवरों के कल्याण के लिए क्यों नहीं अनशन कर सकता? उन्होंने यह भी कहा कि यदि उनसे यह जगह छोड़ने के लिए कहा गया, तो वे दादर कबूतरखाने पर ही अनशन पर बैठ जाएंगे।

RNI No. 58061/93 | वर्ष - 21 | अंक - 100 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » मंगलवार » 04-11-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 नेतृत्व परिवर्तन पर कांग्रेस आलाकमान का फैसला अंतिम होगा : सिद्दरामय्या

6 लोक संस्कृति का वाहक पुष्कर मेला

7 ट्रंप ने परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने के फैसले को सही बताया

फर्स्ट टेक

स्टालिन ने मोदी पर 'वोट की राजनीति' करने का आरोप लगाया

धर्मपुरी (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बिहार में अपने भाषण के दौरान ''वोट की राजनीति'' करने का सोमवार को आरोप लगाया और आश्चर्य जताया कि क्या उनमें तमिलनाडु में भी इसी तरह की बात कहने का ''साहस'' है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु को आगंतुकों के रहने की जगह बताया है। स्टालिन ने सवाल किया, क्या उनमें तमिलनाडु में बोलने का साहस है? स्टालिन ने कहा, कोई चाहे कितनी भी साजिश रच ले, कितने भी अपमानजनक बयान दे, कितनी भी फर्जी खबरें फैलाई जाएं, मैं कहना चाहता हूं कि द्रमुक निश्चित रूप से 2026 में सरकार बनाएगी।

कर्नाटक के इल्कल कस्बे में पागल कुत्ते ने 15 लोगों पर हमला किया

बगलकोट (कर्नाटक)/भाषा। बगलकोट जिले में एक पागल कुत्ते ने कई लोगों को काट लिया जिसके बाद पांच बच्चों समेत 15 लोगों को सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इल्कल के विभिन्न हिस्सों में कुत्ते के हमले से पांच बच्चे और चार महिलाओं समेत कुल 15 लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि सभी पीड़ितों को यहां एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें 'एंटी-रेबीज' इंजेक्शन लगाए गए। उन्होंने बताया कि इनमें से पांच लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मेहुल चोकसी ने प्रत्यर्पण को बेल्जियम के उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी

नई दिल्ली/भाषा। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी ने बेल्जियम के उच्चतम न्यायालय में 17 अक्टूबर को एंटवर्प की अपीलीय अदालत के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को 'लागू करने योग्य' करार दिया गया था। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। 'पीटीआई' द्वारा भेजे गए प्रश्नों के उत्तर में, एंटवर्प स्थित अपीलीय अदालत के सरकारी अभियोजक ने कहा कि चोकसी ने 30 अक्टूबर को 'कोर्ट ऑफ कैसेशन' (उच्चतम न्यायालय) में अपील दायर की थी। महाधिवक्ता केन विटपास ने जवाब में कहा, यह अपील पूरी तरह से कानूनी तथ्यों तक सीमित है और इसका निर्णय शीर्ष अदालत द्वारा किया जाएगा। इस प्रक्रिया के दौरान, प्रत्यर्पण की प्रक्रिया निलंबित रहेगी।

04-11-2025 सूर्यास्त 5:52 बजे	05-11-2025 सूर्योदय 6:14 बजे
BSE 83,978.49 (+39.78)	NSE 25,763.35 (+41.25)
सोना 12,665 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 152,700 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कटघरे में काजी

सारे गड़बड़ घोटालों की,
सीबीआई करती जाँच।
भ्रष्टों दुष्टों को दिखलाती,
सच का स्वच्छ स्वदेशी काँच।
जो दूजों की बाँचा करते,
रहे स्वयं की पोथी बाँच।
काजी खड़े कटघरे में जब,
लगे साँच को भी अब आँच।।

'विनाश' की पहचान राजद-कांग्रेस, 'विकास' की पहचान राजग : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहरसा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि ''राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विकास की पहचान है, जबकि राजद-कांग्रेस विनाश की प्रतीक हैं।'' बिहार के सहरसा जिले के सोनवर्षा की चुनावी सभा में मोदी ने कहा, नए और प्रथम बार वोट डालने वाले मतदाता बिहार के उज्ज्वल भविष्य के लिए वोट करें। पहली बार वोट देने वाले नौजवानों के वोट से राजग की सरकार बनेगी और जंगलराज की हार होगी।

उन्होंने कहा, ''बिहार तेज़ी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, यह रफ़्तार रुकनी नहीं चाहिए। फिर एक बार बिहार में सुशासन की सरकार बनेगी।'' उन्होंने कहा कि ''युवाओं की आकांक्षाएं पूरी होंगी और हमारा संकल्प है कि बिहार का युवा, बिहार में ही रोजगार पाए।''

यह जीत हमारी बेटियों के आत्मविश्वास का प्रतीक

प्रधानमंत्री ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई देते हुए कहा, ''हमें अपनी बेटियों का सम्मान करना चाहिए। यह जीत हमारी बेटियों के आत्मविश्वास का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा कि आज देश में लगभग 87 लाख स्टार्टअप हैं जिनमें महिलाएं मुखिया या साझेदार हैं। मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग हमारी बेटियों का सम्मान नहीं करते। हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत यह सुनिश्चित किया कि अधिकतर पक्के मकान महिलाओं के नाम पर दिए जाएं। उन्होंने बिहार की महिलाओं और बेटियों से आह्वान किया कि वे जंगलराज वालों से सतर्क रहें, जो इन सुविधाओं को बंद करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2005 के विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता ने राजद को नकार दिया था, लेकिन हार के बाद उन्होंने लोगों से बदला लेने का मन बना लिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने बिहार के विकास को रोक दिया था। अब जनता को उन्हें सबक सिखाना चाहिए।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने बिहार में विकास कार्यों को पुनः शुरू किया और केंद्र से पर्याप्त फंड जारी किया। उन्होंने बताया कि देश का सबसे लंबा पुल कोसी नदी पर बन रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद को कोसी क्षेत्र की पीड़ा का कभी एहसास नहीं हुआ। हमारी सरकार ने बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए काम शुरू किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने 'मखाना बोर्ड' का गठन किया है ताकि इस क्षेत्र का मखाना अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचे।

आवारा कुत्तों के मामले में उच्चतम न्यायालय 7 को फैसला सुनाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि वह सात नवंबर को आदेश पारित करेगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की तीन सदस्यीय विशेष पीठ ने इस बात पर संज्ञान लिया कि अधिकतर राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव उसके समक्ष उपस्थित हैं।

न्यायालय ने केरल के मुख्य सचिव द्वारा दायर छूट के अनुरोध वाले आवेदन को अनुमति दे दी और इस बात को संज्ञान में लिया कि प्रधान सचिव अदालत में उपस्थित हैं। पीठ ने कहा कि भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड को इस मामले में पक्षकार बनाया जाए। सुनवाई शुरू होने पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि अधिकतर राज्यों ने इस मामले में अपने अनुपालन हलफनामे दाखिल कर दिए हैं।

पीठ ने कहा, ''फैसले के लिए सात नवंबर की तारीख सूचीबद्ध की जाए।'' उच्चतम न्यायालय ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों की प्रत्यक्ष उपस्थिति अब जरूरी नहीं है। हालांकि पीठ ने कहा कि आदेशों के अनुपालन में चूक होने पर मुख्य सचिवों की उपस्थिति फिर से आवश्यक हो जाएगी। शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को मामले की सुनवाई करते हुए पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को उसके समक्ष उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि अदालत के 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामे क्यों नहीं दायर किए गए।

शीर्ष अदालत ने 22 अगस्त को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के अनुपालन के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में पूछा था। पीठ ने अपने आदेश का पालन नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की थी और कहा था कि 27 अक्टूबर तक पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को छोड़कर किसी भी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ने अनुपालन हलफनामे दायर नहीं किए थे। न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि मुख्य सचिवों को न्यायालय में उपस्थित होकर यह बताना होगा कि उन्होंने अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया। शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को इस मामले में अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को फटकार लगाई थी और कहा था कि लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं और विदेशों में देश का ''मान'' कम हो रहा है।

बस-ट्रक की भिड़ंत में 19 की गई जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला में बजरी लदे ट्रक के राज्य परिवहन निगम की बस से टकराने के बाद उसमें लदी बजरी बस पर गिर गई जिसे कई यात्रियों की मलबे में दबने से मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब सात बजे हुई टक्कर के बाद बस का अगला हिस्सा, विशेषकर चालक वाला हिस्सा, बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में 13 महिलाओं सहित 19 लोगों की मौत हुई है जबकि 22 अन्य घायल हुए हैं। चश्मदीदों ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक बस के चालक वाले हिस्से की ओर पलट गया, जिससे बजरी बस पर गिर गई और कई यात्री उसमें दब गए। बस का आधा हिस्सा बजरी से भर गया था, जिससे यात्री बस के अंदर ही फंस गए।

उन्होंने बताया कि बस चालक के पीछे बैठे अधिकांश यात्री मारे गए, जबकि परिचालक के पीछे बैठे यात्री इस घातक दुर्घटना में बच गए। इस हादसे में दोनों वाहनों के चालकों की मौत हो गई है। इस हादसे में बच गए एक यात्री ने उस भयावह मंजर को याद करते हुए बताया कि वह बस में सो रहा था, तभी एक जोरदार आवाज आई और वह जग गया। यात्री ने बताया कि उसके शरीर का आधा हिस्सा बजरी में दब गया था।

यात्री ने मीडियाकर्मियों को बताया, कई लोग बजरी के नीचे दब गए थे। ट्रक विपरीत दिशा से आ रहा था। मैं बस के बाईं ओर बैठा था। हम तो किसी तरह बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन चाकल के पीछे वाली कतारों में बैठे लोग नहीं निकल पाए 'उनमें से कुछ की मौत हो गई। मैं परिचालक से तीन सीट पीछे बैठा था।' अधिकारियों ने बस पर गिरे मलबे को हटाने के लिए भारी मशीनों का इस्तेमाल किया। चेवेल्ला के सरकारी अस्पताल में हृदय विदारक दृश्य देखने को मिले, जहां दुर्घटना के बाद शवों और घायल यात्रियों को लाया गया था।

बंगाल में एसआईआर :

अंतिम तैयारियां जोरों पर, सीईओ ने समीक्षा बैठक की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू होने से एक दिन पहले राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल ने आखिरी क्षणों की तैयारी के तहत सोमवार को सभी जिलाधिकारियों के साथ एक बैठक की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।उन्होंने कहा, ''सीईओ सभी जिलाधिकारियों के साथ एक वर्चुअल बैठक कर रहे हैं और कल एसआईआर की औपचारिक शुरुआत होने से पहले ज़रूरी निर्देश दे रहे हैं।'' प्रखंड स्तर के अधिकारियों को मंगलवार से घर-घर जाने और बिना किसी डर के यह प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया है। एक अधिकारी ने कहा, ''घर-घर जाकर विवरण जुटाने का कार्य 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक किया जाएगा...।'' उन्होंने कहा कि 2002 में किये गए एसआईआर के आधार पर लोगों के विवरण का सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदाता इसके लिए फॉर्म ऑनलाइन भी भर सकते हैं।

जुबिन गर्ग की मौत के मामले में जांच शुरू

गुवाहाटी/भाषा। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमित्र सैकिया की अध्यक्षता वाले एक सदस्यीय न्यायिक आयोग ने गायक जुबिन गर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की जांच सोमवार को शुरू कर दी। एक सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से, आयोग ने तीन नवंबर से 21 नवंबर तक संबंधित लोगों से शपथ पत्र स्वीकार करने का निर्णय लिया। अधिवक्ता समुद्रगुप्त दत्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आज हमें कोई शपथ पत्र नहीं मिला। हमारे पास 21 नवंबर तक का समय है।

विरोध प्रदर्शन

कोयंबटूर में सोमवार रात को भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महिला विंग की अध्यक्ष नथी श्रीनिवासन के नेतृत्व में भाजपा महिला विंग की सदस्यों ने दक्षिण तहसीलदार कार्यालय के सामने मशाल जुलूस निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कॉलेज छात्रा के साथ बलात्कार करने वाले तीन लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

शिक्षा वह धन है जिसे छीना नहीं जा सकता : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने भारत के शिक्षा क्षेत्र में केरल के योगदान की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि शिक्षा किसी व्यक्ति के पास मौजूद सबसे बड़ी संपत्ति है। राधाकृष्णन ने स्थानीय फातिमा माता राष्ट्रीय महाविद्यालय' के हीरक जयंती समारोह में तमिल कवि तिरुवल्लुवर को उद्धृत करते हुए कहा, शिक्षा वह धन है, जिसे किसी व्यक्ति से छीना नहीं जा सकता। कोई भी धन, शिक्षा समृद्धि के बराबर नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में, जब दुनिया अनिश्चितता से जूझ रही है- चाहे वह जलवायु परिवर्तन के कारण हो, डिजिटल व्यवधान के कारण हो, या सामाजिक विखंडन के कारण- शिक्षा की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गयी है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ''हमें ऐसे महाविद्यालयों की आवश्यकता है, जो छात्रों को केवल नौकरियों के लिए तैयार न करें। हमें 'गुमास्ता' (क्लर्क) बनाने में रुचि नहीं रखनी चाहिए। हमें ऐसे वैज्ञानिक और महान प्रशासक तैयार करने में अधिक रुचि रखनी चाहिए जो समाज की बेहतर सेवा कर सकें।''

उन्होंने कहा कि शिक्षा को छात्रों को आलोचनात्मक सोच, करुणा और वैश्विक दृष्टिकोण से लैस करना चाहिए। राधाकृष्णन ने भारत की शैक्षिक प्रगति में केरल के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि जब अन्य राज्य 40 प्रतिशत तक भी नहीं पहुंच पाए थे, तब राज्य की 90 प्रतिशत साक्षरता दर उल्लेखनीय और ''अतुलनीय'' थी। उन्होंने आगे कहा कि इसका मुख्य श्रेय हमारे बुजुर्गों को जाता है।

उपराष्ट्रपति ने छात्रों से आग्रह किया कि वे समय-सारिणी को केवल स्कूल के दिनों के लिए ही न समझें, बल्कि इसे जीवन भर मार्गदर्शन देने वाली चीज के रूप में देखें। उन्होंने कहा, हर समय सोशल मीडिया में डूबे न रहें। हमें किसी भी चीज की आदत नहीं डालनी चाहिए- वरना, यह हमें अपनी शर्तें थोपने लगेगी। हमें हर चीज पर आत्म-नियंत्रण रखना चाहिए। उन्होंने नशीली दवाओं और शराब के दुरुपयोग के खिलाफ भी कड़ा रुख अपनाया और कहा कि उन्होंने जागरूकता बढ़ाने के लिए 'नो टू ड्रग्स' नामक एक पहल शुरू की है। उन्होंने जोर देकर कहा, ''जहां ज्यादा आजादी है, हमें उसका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

धन शोधन मामले में ईडी द्वारा

अनिल अंबानी की 3,000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत संपत्तियों को कुर्क करने के लिए चार अनंतिम आदेश जारी किए थे। इन संपत्तियों में अंबानी (66) का मुंबई के पाली हिल स्थित घर और उनके समूह की कंपनियों की अन्य आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्तियां शामिल हैं। दिल्ली में महाराजा रणजीत सिंह मार्ग पर रिलायंस सेंटर का एक भूखंड तथा राष्ट्रीय राजधानी, नोएडा, गाजियाबाद, मुंबई, पुणे, ठाणे, हैदराबाद, चेन्नई और पूर्वी गोदावरी में कई अन्य संपत्तियां भी कुर्क की गई हैं। मुंबई में चर्चगेट की 'नागिन महल' बिल्डिंग में ऑफिस, नोएडा में बीएचए मिलेनियम अपार्टमेंट्स और हैदराबाद में कैमस कैप्री अपार्टमेंट्स उन संपत्तियों में से हैं, जिन्हें ईडी ने फिलहाल कुर्क किया है। सूत्रों के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 3,084 करोड़ रुपये है। यह मामला रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) द्वारा जुटाए गए सार्वजनिक धन की कथित हेराफेरी और धनशोधन से संबंधित है।

यस बैंक ने 2017 से 2019 के दौरान आरएचएफएल में 2,965 करोड़ रुपये और आरसीएफएल में 2,045 करोड़ रुपये का निवेश किया था। ईडी के अनुसार, दिसंबर 2019 तक ये निवेश गैर-निष्पादित'' निवेश में बदल गए, जिसमें आरएचएफएल पर 1,353.50 करोड़ रुपये और आरसीएफएल पर 1,984 करोड़ रुपये बकाया थे।

उद्यमी भारत में निवेश कर रहे, क्योंकि यह एक आकर्षक निवेश स्थल है : बिरला

कोलकाता/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कहा कि दुनिया भर के उद्यमी भारत में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने देश को सबसे आकर्षक निवेश स्थल बताया, क्योंकि यहां व्यापार करने के लिए हर जरूरी संसाधन उपलब्ध है। बिरला ने कहा, ''हमारे देश में मानव संसाधन की प्रचुरता, तेज बुनियादी ढांचागत प्रगति और उत्कृष्ट सड़क एवं रेल संपर्क, भारत की विकास की गति को दर्शाते हैं।'' वह भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के 125वें वर्षगांठ समारोह के उद्घाटन के अवसर पर कोलकाता में आयोजित एक सत्र को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने कहा, उद्यमियों का मानना है कि भारत सबसे आकर्षक निवेश स्थल है, क्योंकि यहां हर जरूरत पूरी होती है। उन्होंने कहा कि एक जीवंत लोकतंत्र ने निवेशकों के बीच विश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बिरला ने कहा कि कुछ संक्षिप्त अवधियों को छोड़कर भारत में लोकतंत्र फल-फूल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 1952 में हुए पहले आम चुनाव के बाद से चुनावों में जनता की भागीदारी लगातार बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि तकनीक और कनेक्टिविटी देश के आखिरी गांव तक पहुंच गई है। नौकरशाही संबंधी बाधाओं पर उद्योग जगत की चिंताओं का समाधान करते हुए, बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'न्यूनतम सरकार' और 'अधिकतम शासन' के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, ''यह बदलाव बहुत जल्द दिखाई देगा।'' बिरला ने कहा कि भारत स्वच्छ और हरित ऊर्जा का सबसे बड़ा केंद्र बनेगा और वह दवा, कृषि और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोलकाता कभी उद्योगों का केंद्र हुआ करता था। उन्होंने कहा, न केवल व्यापार में, बल्कि बंगाल की शिक्षा, संस्कृति, कवियों और लेखकों ने दुनिया भर में ख्याति अर्जित की है।

लोकार्पण

मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की सुदृढ़ीकरण की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। चिकित्सा मंत्री ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन परिसर में राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय संस्कृति की परम्परा के अनुरूप विधिवित रूप से पूजा अर्चना कर पट्टिका का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि नए भवन के निर्माण से आरएमएससीएल एवं राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के कार्यों के सम्पादन में और सुगमता आएगी। अधिकारियों एवं कार्मिकों के बैठने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध होने के साथ ही स्वास्थ्य से जुड़ी प्रमुख संस्थाएं एक ही स्थान पर आ जाएंगी। इससे कार्यकुशलता में वृद्धि होने के साथ ही समय की बचत होगी।

डंपर ने कई वाहनों को टक्कर मारी, 13 की मौत, 10 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। जयपुर के हरमाड़ा इलाके में तेज रफ्तार डंपर ने सोमवार दोपहर तबाही मचा दी। डंपर ने अपने सामने आए कई वाहनों को टक्कर मारी जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई व 10 घायल हो गए। जयपुर के जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह डंपर रोड नंबर 14 से लोहा मंडी पेट्रोल पंप की ओर तेज गति से जा रहा था और रास्ते में आने वाले वाहनों को टक्कर मारता चला गया।

सोनी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, 13 लोगों की मौत हो गई और 10 घायल हो गए। घायलों का एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज किया जा रहा है और कई की हालत गंभीर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घटना पर दुख व्यक्त किया है। शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा, जयपुर के हरमाड़ा स्थित लोहामंडी क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। संबंधित अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

पुलिस के अनुसार, यह भीषण टक्कर लोहा मंडी के पास हुई जब कथित तौर पर शराब के नशे में धुत डंपर चालक ने कम से कम 17 वाहनों को टक्कर मारी और फिर एक अन्य ट्रेलर से टकराकर रुक गया। हादसा इतना भयावह था कि डंपर की चपेट में आने वाले लोगों के शव सड़क पर ईधर–उधर पड़े थे। कई मोटरसाइकिल डंपर के पहियों के नीचे आकर कुचल गईं। अनेक कारें भी चकनाचूर हुईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने इस दृश्य को 'नरसंहार' से कम नहीं बताया।

स्थानीय दुकानदार महेश शर्मा ने कहा, हमने लोगों को क्षतिग्रस्त कारों से एक के बाद एक शव निकालते देखा। कुछ अंदर फंसे हुए थे, कुछ सड़क पर पड़े थे। चारों ओर अफरा–तफरी, चीख–पुकार और खून ही खून था।

घटनास्थल पर मौजूद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव पचार ने बताया कि डम्पर चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और उसने एक कार को टक्कर मार दी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उसका पीछा किया। उनके मुताबिक, उसने डंपर को और तेज रफ्तार से चलाया और सड़क पर पैदल चल रहे लोगों और बाइक सवारों को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद, दिल्ली–अजमेर राजमार्ग पर एक ट्रेलर ट्रक और एक कार से टकराने के बाद वह रुक गया। चालक के शराब के नशे में होने पर उन्होंने कहा, चूंकि आरोपी चालक खुद घायल है। मेडिकल जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। लेकिन जिस तरह की दुर्घटना है वह निश्चित रूप से किसी नशे में हो सकता है या कोई मेडिकल कारण हो सकता है।

न्यायालय धर्मांतरण संबंधी राजस्थान के कानून के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय अवैध धर्मांतरण के खिलाफ राजस्थान में पिछले महीने लागू हुए कानून के कई प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सोमवार को सहमत हो गया।

न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सितंबर में विधानसभा द्वारा पारित राजस्थान गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2025 के खिलाफ याचिकाओं पर राज्य सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा।

पीठ ने याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश वकील से पूछा, ''आप इस अधिनियम से परेशान क्यों हैं?'' पीठ ने यह भी सवाल किया कि याचिकाकर्ताओं ने इस अधिनियम को राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती क्यों नहीं दी।

वकील ने कहा कि कई राज्यों के धर्मांतरण विरोधी कानूनों की वैधता को चुनौती देने वाली ऐसी याचिकाएं उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं। वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता ने याचिका का निपटारा होने तक अधिनियम के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का भी अनुरोध किया है। उन्होंने अधिनियम के तहत सजा के प्रावधानों का उल्लेख किया और कहा कि कुछ अपराधों के लिए कानून के तहत निर्धारित जुर्माना परेशान करने वाला है।

दोनों याचिकाओं पर चार सप्ताह बाद सुनवाई होगी।

सितंबर में, उच्च न्यायालय की एक अन्य पीठ ने धर्मांतरण विरोधी कानूनों पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर कई राज्यों से उनका रुख पूछा था।

राजस्थान के कानून में धोखे से सामूहिक धर्म परिवर्तन के लिए 20 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा और धोखाधड़ी से धर्म परिवर्तन के लिए सात से 14 साल की जेल की सजा का प्रावधान है।

नाबालिगों, महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांगों का धोखे से धर्म परिवर्तन कराने पर 10 से 20 साल की जेल और कम से कम 10 लाख रुपए का जुर्माना लगेगा।

विभिन्न कृषि मण्डियों में 13 करोड़ रुपए से अधिक के होंगे विकास कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कृषि से संबंधित सेवाओं और सुविधाओं का निरंतर विस्तार कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की विभिन्न मण्डियों में विकास कार्यों के लिए 13 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की है।

मुख्यमंत्री की स्वीकृति के अनुसार कृषि उपज मण्डी समिति, अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर), पूगल रोड–अनाज (बीकानेर) और मालपुरा (टोंक) इत्यादि में 13 करोड़ 45 लाख से अधिक की राशि से मण्डी यार्ड के निर्माण कार्य, विद्युत संबंधी कार्य एवं सम्पर्क सडकों के निर्माण कार्य करवाये जायेंगे। इसी प्रकार, कृषि उपज मण्डी समिति, सुमेरपुर की गौण मण्डी फल–सब्जी, सिरोही में प्रथम चरण के तहत भूखण्ड आवंटन हेतु आरक्षित दर का निर्धारण एवं कृषि उपज मण्डी समिति, बस्सी (जयपुर) के गौण मण्डी यार्ड तूंगा में चिन्हित और रिक्त भूखण्डों का प्रथम चरण के तहत आवंटन किये जाने का अनुमोदन भी किया गया है। इससे मण्डी क्षेत्रों में व्यापार प्रारम्भ होने पर किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य उत्पादन क्षेत्र के नजदीक ही मिल सकेगा। साथ ही, उनके परिवहन खर्चे में कमी भी आएगी।

भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को किया जागरुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेशभर में भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार सोमवार को राजकीय विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित करवाया गया। इस दौरान विद्यालयों में भगवान बिरसा मुंडा के प्रेरक जीवन पर आधारित भाषण, निबंध एवं चित्रकला का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों छात्रछात्राओं ने उत्साह से भाग लिया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा ने बताया कि 1 से 15 नवम्बर 2025 तक भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारम्भ हुई है। राज्य सरकार द्वारा यह आयोजन भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों, संघर्ष और योगदान को जन–जन तक पहुँचाने के साथ–साथ समाज के वंचित वर्गों को योजनाओं का लाभ पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

आगामी कार्यक्रमों के तहत 4 नवम्बर को महाविद्यालयों में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, विचार एवं योगदान पर भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित होगी।

6 नवम्बर को राजीविका के सहयोग से पंचायत समिति स्तर पर खिलौना निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं नवाचार से जोड़ना है। माडा क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसी क्रम में 15 नवम्बर तक जनजातीय गौरव वर्ष के अंतर्गत विभिन्न जनजागरण, सांस्कृतिक एवं विकासपरक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

भेंट

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे से सोमवार को राजभवन में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के नव नियुक्त कुलगुरु डॉ. प्रताप सिंह ने मुलाकात की। कुलगुरु बनने के बाद डॉ. सिंह की राज्यपाल से यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

राज्यपाल ने बच्चों को खूब पढ़ने और आगे बढ़ने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे सोमवार को अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए स्थापित 'सुरमन संस्थान बाल आश्रम' पहुंचे। उन्होंने वहां परित्यक्त, वंचित बच्चों से संवाद किया और उन्हें खूब पढ़ने और जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होने बच्चों को चॉकलेट और उपहार भी बांटे।

राज्यपाल ने कहा कि बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उन्हें सभी स्तरों पर विकास के समान अवसर कैसे मिले, इसके लिए समाज में मिलकर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने निराश्रित बच्चों के चारित्रिक और बौद्धिक विकास के लिए भी सतत कार्य किए जाने पर जोर दिया। इससे पहले श्सुरमन संस्थानश् पहुंचने पर राज्यपाल बागडे का संस्था की अध्यक्ष श्रीमती मनन चतुर्वेदी ने अभिनंदन किया। राज्यपाल ने संस्था के प्रयासों की सराहना की।

सड़क सुरक्षा में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में हाल में भीषण सड़क हादसों में बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि सड़क सुरक्षा के संबंध में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत के अनुसार, राजस्थान में पिछले कुछ दिनों में अधिक जनहानि वाले हादसों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि देशभर में हर साल औसतन डेढ़ लाख से अधिक जानें सड़क हादसों में जाती हैं जिसमें राजस्थान में करीब दस हजार से अधिक मौतें सड़क हादसों में होती हैं। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों में अधिकांश ऐसे लोग भी जान गंवाते हैं जिनकी कोई गलती नहीं होती।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि रविवार को फलोदी में सड़क दुर्घटना में 15 लोगों की मृत्यु के कुछ घंटे बाद ही एक अन्य सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मृत्यु हो गई। उनके मुताबिक, राजस्थान में पिछले कुछ दिनों में अधिक जनहानि वाले हादसों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा, सड़क सुरक्षा केवल एक विभाग या एजेंसी से जुड़ा विषय नहीं है। सार्वजनिक निर्माण विभाग, परिवहन, पुलिस सहित कई विभाग इससे जुड़े हैं। राज्य सरकार को इन सभी विभागों की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) बनानी चाहिए जो सड़क हादसों में कमी के लिए ही काम करे।

गहलोत के अनुसार, राजस्थान सरकार को सड़क सुरक्षा के संबंध में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए एवं जन जागरूकता अभियान चलाकर सड़क हादसों में कमी के लिए गंभीर प्रयास करने चाहिए।

अधिकारी लोगों की शिकायतों का सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें : मुख्यमंत्री शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को लोगों की शिकायतों का सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने का सोमवार को निर्देश दिया। शर्मा ने यह निर्देश मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई के दौरान दिया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का संतोषजनक निस्तारण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ काम करते हुए लोगों को राहत दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई करें तथा आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से हो।

शर्मा ने इस दौरान कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया।

कृषि मंत्री ने आमजन से मिलावट के खिलाफ अभियान में राज्य सरकार का सहयोग करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि, उद्यानिकी, ग्रामीण विकास एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने आमजन से अपील की है कि नकली खाद, नकली घी और मावा सहित अन्य मिलावटी सामान तथा मिठाइयां आदि बेचकर जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने के खिलाफ राज्य सरकार के अभियान में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थ बनाने और बेचने वाली फैक्ट्री आदि की पहचान और छापामारी की कार्रवाई में लोगों को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

कृषि मंत्री सोमवार को सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय पर पंचायत समिति परिसर में विकास कार्यों के लोकार्पण के अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने समिति परिसर में राजीविका महिलाओं द्वारा संचालित दीदी की कैन्टीन का उद्घाटन किया और जिला परिषद की ओर से जिले के निर्धनतम परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'सुई धागा अभियान' का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत सवाई माधोपुर जिले में चिन्हित परिवारों को नि:शुल्क सिलाई मशीन का वितरण और लाभार्थियों को जरूरत के अनुसार सिलाई कार्य आदि का प्रशिक्षण देने की पहल की जाएगी। डॉ. मीना ने 5 लाभार्थी परिवारों को सिलाई मशीन भेंटकर की अभियान की शुरुआत की। उन्होंने भारत निर्माण केन्द्र में मरम्मत तथा सीसी रोड निर्माण और समिति परिसर में टिनशेड, इन्टरलॉकिंग टाइल और शौचालय निर्माण कार्यों का लोकार्पण भी किया।

अंत्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने में जुटी हुई है। आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता से निस्तारण कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक त्वरित राहत प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई भी इसी दिशा में एक सार्थक कदम है। इसके माध्यम से मुख्यमंत्री परिवादियों से सीधा संवाद कर उनकी परिवेदनाओं का मौके पर ही निस्तारण कर रहे हैं।

शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का संतोषजनक निस्तारण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता से काम करते हुए लोगों को राहत दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई करें जिससे आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से हो।

सिलिकोसिस ग्रस्त रामअवतार का बनेगा सर्टिफिकेट, मिलेगा योजना का लाभ सिकराय के नरेन्द्र के बड़े भाई रामअवतार सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित हैं, जिनका सिलिकोसिस कार्ड नहीं बनने से योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इस संबंध में नरेन्द्र ने जब मुख्यमंत्री के सामने यह पीड़ा रखी, तो शर्मा ने तुरंत अधिकारियों को रामअवतार का सिलिकोसिस कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। नरेन्द्र ने अपनी समस्या के समाधान पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

नेतृत्व परिवर्तन पर कांग्रेस आलाकमान का फैसला अंतिम होगा : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा कि राज्य नेतृत्व में किसी भी संभावित बदलाव के संबंध में कांग्रेस आलाकमान का निर्णय अंतिम होगा। पत्रकारों से यहां बात करते हुए उन्होंने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन के बारे में दूसरों के कुछ कहने का तब तक कोई महत्व नहीं है, जब तक पार्टी इस पर बात नहीं करती।

जब मीडिया ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार की बिहार के प्रवासी श्रमिकों के साथ बातचीत का हवाला दिया, तो सिद्दरामय्या ने इसे ज्यादा महत्व नहीं दिया। बिहार के ये प्रवासी श्रमिक शिवकुमार को कथित तौर पर अगले मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं।

सिद्दरामय्या ने जवाब दिया, ''लोग बात कर सकते हैं, लेकिन आलाकमान कौन है? क्या सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने इस बारे में बात की है? लोगों से ज्यादा बस आप ही इस बारे में बात कर रहे हैं। आलाकमान को फैसला करना है। पार्टी आलाकमान के अलावा इस मामले पर किसी और के बोलने का कोई महत्व नहीं है।'' बिहार विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ने 'इंडि' गठबंधन की जीत का विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा, बेंगलूरु में बिहार के बहुत लोग हैं। हम उनसे अनुरोध करेंगे कि वे हमें वोट दें।''

सिद्दरामय्या ने कहा कि बिहार में अत्यधिक गरीबी और मजबूत अल्पसंख्यक वोट बैंक आगामी चुनावों में महागठबंधन के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करते हैं।

बैठक — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु में सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में मैसूरु नगर निगम कार्यालय में पहली ग्रेटर मैसूर बैठक आयोजित की गई। जिसेमं जिला मंत्री एच.सी. महादेवप्पा, शहरी विकास मंत्री बैयरती सुरेश, विधान परिषद सदस्य यतींद्र सिद्दरामय्या और चामराजनगर के सांसद सुनील बोस, पूर्व मंत्री और विधायक तनवीर सेठ, जीटी देवेगौड़ा, सहित ज़िले के विधायक और विधान परिषद सदस्य और ज़िला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित हैं।

मैसूरु के वन क्षेत्रों में सफारी गतिविधियों को कम करने का निर्देश दिया : सिद्दरामय्या

मैसूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा कि उन्होंने अक्टूबर में तीन किसानों की मौत के बाद अधिकारियों को मैसूरु के वन क्षेत्रों में सफारी गतिविधियों को कम करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में बढ़ती मानवीय गतिविधियां तथा पानी व भोजन की तलाश के कारण जंगली जानवर मानव बस्तियों की ओर आ रहे हैं। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, हुआ यह है कि वन क्षेत्र में लोगों की आवाजाही बढ़ गई है और रिसॉर्ट बन रहे हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा, सफारी गतिविधियों में भी वृद्धि हुई है – यही एक कारण है। इसके अलावा, वे (जंगली जानवर) पानी और भोजन के लिए गांवों में आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, कल वन अधिकारियों के साथ एक बैठक हुई थी। मैं जल्द ही एक और बैठक बुलाऊंगा। हम अवैध रिसॉर्ट के खिलाफ कार्रवाई करेंगे और मैंने अधिकारियों को जंगल में सफारी गतिविधियों को कम करने का निर्देश दिया है।

रेणुकास्वामी हत्या मामले में अभिनेता दर्शन और अन्य के खिलाफ आरोप तय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां की एक सत्र अदालत ने सोमवार को रेणुकास्वामी हत्या मामले में कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा, उनकी सहयोगी पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य के खिलाफ हत्या और अपहरण समेत अन्य आरोपों में आरोप औपचारिक रूप से तय किए। सभी 17 आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया, जिससे 10 नवंबर को मुकदमा शुरू होने का मार्ग प्रशस्त हो गया। यहां कार्यवाही के दौरान अदालत कक्ष खचाखच भरा हुआ था और न्यायाधीश आई पी नाइक ने अधिक भीड़ होने पर अप्रसन्नता जतायी।

उन्होंने कहा, ''इतने सारे लोगों के यहां होने पर आरोप कैसे तय किए जा सकते हैं?'' साथ ही उन्होंने मामले से जुड़े नहीं होने वाले वकीलों को वहां से चले जाने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने यह भी चेतावनी दी कि अगर व्यवस्था नहीं बनी तो सुनवाई स्थगित कर दी जाएगी–या सुनवायी बंद कमरे में भी की जा सकती है। माहौल शांत होने पर अदालत ने आरोप पढ़ने शुरू किये, जिसकी शुरुआत पहली आरोपी पवित्रा गौड़ा से हुई। आरोपों में हत्या, आपराधिक षडयंत्र, अपहरण और गैरकानूनी रूप से जमावड़ा शामिल थे।

आरोप पत्र के अनुसार, रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर पवित्रा को अश्लील संदेश भेजे थे, उसके बाद उसका अपहरण कर लिया गया, उसे बेंगलूरु के एक शेड में ले जाया गया और उसके साथ मारपीट की गई। न्यायाधीश ने आरोप पत्र पढ़ते हुए कहा, उसे चप्पलों और लकड़ी के तख्ते से पीटा गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि पवित्रा ने रेणुकास्वामी पर चप्पल से हमला किया, जबकि दर्शन ने रेणुकास्वामी को पैंट उतारने के लिए मजबूर किया और उसके बाद उसके साथ मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। अदालत ने यह भी कहा कि कुछ आरोपियों को दोष स्वीकार करने के लिए कथित तौर पर पैसे की पेशकश की गई थी।

सभी 17 आरोपियों द्वारा दोष स्वीकार करने से इनकार करने के बाद, अदालत ने आरोप-पत्र पर औपचारिक हस्ताक्षर किए। इसके बाद दर्शन, पवित्रा और सात अन्य आरोपियों को वापस जेल ले जाया गया। अगली सुनवाई 10 नवंबर के लिए तय की गई, जब मुकदमा शुरू होगा।

मेट्रो पिंक लाइन मई 2026 तक चालू हो जाएगी : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को घोषणा की कि मेट्रो पिंक लाइन मई 2026 तक चालू हो जाएगी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कलेना अग्रहारा से नागवारा तक 13.76 किलोमीटर लंबे खंड से यातायात सुगम होगा। शिवकुमार ने कहा, बेहतर कनेक्टिविटी के लिए हमारी प्रतिबद्धता बरकरार है! कलेना अग्रहारा से नागवारा को जोड़ने वाली नम्मा मेट्रो पिंक लाइन मई 2026 तक चालू हो जाएगी। उन्होंने कहा, 13.76 किलोमीटर लंबे इस खंड से यातायात सुगम होगा और बेंगलूरु में उत्तर-दक्षिण कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

मंत्री ईश्वर खंड्रे ने हाथियों की मौत मामले की जांच के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने बेलगावी जिले में करंट लगने से दो हाथियों की मौत मामले की जांच के आदेश दिए हैं। घटना रविवार को बेलगावी जिले के खानपुर के पास सुलैगली गांव में हुई। मंत्री ने एक बयान में इस घटना को ''दुर्भाग्यपूर्ण'' बताया साथ ही उन आरोपों का हवाला दिया कि वन अधिकारियों ने पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में हाथियों की मौजूदगी के बावजूद आवश्यक सावधानी नहीं बरतकर लापरवाही की। मंत्री ने मुख्य वन्यजीव वार्डन को मामले की गहन जांच करने और पांच दिनों के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया, साथ ही किसी भी तरह की चूक पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश भी की। बयान में कहा गया है कि खंड्रे ने बाड़ में करंट प्रवाहित करने के वास्ते बिजली का कनेक्शन प्रदान करने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी है, जिसके परिणामस्वरूप जानवरों की मौत हुई।

उम्र से बड़ा इनका हौसला : 75 की उम्र में अंटार्कटिका फतह कर आए लेफ्टिनेंट कर्नल कल्याण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एक सैनिक के अदम्य साहस, सख्त अनुशासन और दृढ़ भावना को मूर्त रूप देने वाले जीवन में लेफ्टिनेंट कर्नल ओपीएन कल्याण (सेवानिवृत्त) सैनिकों और नागरिकों की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उनका 12 जुलाई, 1949 को मद्रास में हुआ था। उनके पिता मेजर ओपीवी चारी भारतीय सेना के शुरुआती पैराट्रूपर्स में से एक थे। लेफ्टिनेंट कर्नल कल्याण की अपनी यात्रा किंग जॉर्ज स्कूल, बेंगलूरु (अब राष्ट्रीय सैन्य स्कूल) से शुरू हुई थी। उन्होंने 15 जून, 1969 को ओटीएस, मद्रास से सेना सेवा कोर में कमीशन प्राप्त करने के बाद, साल 1971 के भारत-पाक युद्ध में 310 पेट्रोलियम प्लाटून एएससी की कमान संभाली थी।

उन्हें युद्धकालीन सेवा के सम्मान में साल 2022 में ढाका में बांग्लादेश के 51वें विजय दिवस समारोह में विशेष रूप से आमंत्रित किए गए 35 भारतीय सशस्त्र बल अधिकारियों में शामिल किया गया था। एक प्रशिक्षित पैराट्रूपर लेफ्टिनेंट कर्नल कल्याण ने साल 1987 से 1989 तक सियाचिन ब्रिगेड के लिए 5102 एएससी कंपनी (कम्पोजिट) का गठन किया और कमान संभाली थी। अपने 38 साल के करियर में, जिसमें चार साल का पुनर्नियोजन भी शामिल है, उन्होंने माउंटेन ब्रिगेड, मुख्यालय कोर और कमांड मुख्यालय में प्रमुख पदों पर काम किया था।

वे विभिन्न परिचालन और विशिष्ट सेवाओं के लिए 12 पदकों से अलंकृत हैं। उन्हें सेना प्रमुख, दक्षिणी सेना कमांडर और अंडमान एवं निकोबार कमान के सी-इन-सी प्रशस्ति पत्र से भी सम्मानित किया जा चुका है। वहीं, एक कुशल एथलीट के रूप में, उन्होंने हांगकांग (1990 और 1992), सिंगापुर (1991) और मलयेशिया (1995) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेटरन्स एथलेटिक्स मीट में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उस दौरान चार पदक जीते और एथलेटिक्स के लिए आर्मी सर्विस कोर क्रेस्ट और ब्लेज़र अर्जित किया था। सर्विसेज ताइक्वांडो टीम के मैनेजर के रूप में, उन्होंने चेन्नई में आयोजित राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप (2006) में टीम को जीत दिलाई थी। साल 2006 से 2012 के बीच, उन्होंने राष्ट्रीय मास्टर्स एक्वाटिक चैंपियनशिप में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व किया और तैराकी में 10 पदक जीते थे। उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद एएससी संग्रहालय, बेंगलूरु में (2008-2023) क्यूरेटर की भूमिका निभाई थी। उन्होंने 75 साल की उम्र में अंटार्कटिका का अभियान चलाया था। उसके अगले साल 22 निर्जन द्वीपों पर आर्कटिक अभियान चलाया था। उन्होंने दक्षिणी सागर और आर्कटिक महासागर दोनों में –3 डिग्री सेल्सियस तापमान पर डुबकी लगाई थी। 18 अगस्त, 2025 को नॉर्वे के टॉन्सबर्ग स्काईडाइविंग क्लब में 7,000 फीट से स्काईडाइविंग पूरी की थी। उनकी नवीनतम उपलब्धि 24 अक्टूबर, 2025 को हाई-एल्टीट्यूड 'तवांग मैराथन' में भागीदारी है। लेफ्टिनेंट कर्नल ओपीएन कल्याण की कहानी सिर्फ़ एक सैनिक द्वारा की गई सेवा की कहानी नहीं है। यह एक इन्सान के साहस की भी कहानी है, जिसकी उम्र चाहे जो हो, लेकिन वह आगे बढ़ते रहने, चुनौतियां स्वीकार करने और प्रेरणा देते रहने के लिए तत्पर रहता है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने महिला क्रिकेट विश्व कप जीतने के लिए भारतीय टीम को बधाई दी

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप जीतकर इतिहास रचने पर सोमवार को बधाई दी और इस उपलब्धि को देश के लिए गौरवपूर्ण व प्रेरणादायक क्षण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय टीम की यह जीत उनके कौशल, जुनून और दृढ़ता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल कायम की है।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने असाधारण कौशल, जुनून और दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए विश्व कप जीतकर इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है। हमारी अद्भुत विश्व चैंपियन टीम को हार्दिक बधाई! भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने नवी मुंबई में रविवार को दक्षिण अफ्रीका पर 52 रन से जीत दर्ज कर पहली बार विश्व कप का खिताब अपने नाम किया।

अपार्टमेंट की लिफ्ट में पालतू कुत्ते को मार डालने के आरोप में महिला गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु में कथित तौर पर अपार्टमेंट की लिफ्ट में एक महिला ने फर्श पर एक पालतू कुत्ते को पटक-पटक कर मार डाला जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि एक नवंबर को हुई यह घटना लिफ्ट के अंदर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस के अनुसार, फुटेज में पुष्पलता नाम की महिला अपने पालतू कुत्ते के साथ लिफ्ट में घुसती दिख रही है। जैसे ही दरवाजा बंद हुआ, उसने कथित तौर पर कुत्ते को जमीन पर पटक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

तेइस वर्षीय महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उसने अपने चार वर्षीय कुत्ते गूफी की देखभाल के लिए पुष्पलता को 11 सितंबर से 23,000 रुपये मासिक वेतन पर काम पर रखा था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया, एक नवंबर को मेरे कुत्ते की मौत हो गई। जब मैंने पुष्पलता से पूछा कि कुत्ते की मौत कैसे हुई तो उसने कहा कि उसे नहीं पता। बाद में सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि लिफ्ट के पास उसने कुत्ते को उठाकर जमीन पर पटक दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की धारा 325 (पशु को मारना या अपंग बनाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के सिलसिले में पुष्पलता को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

संदिग्ध भोजन विषाक्तता से 12 छात्र बीमार, अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। बेलगावी जिले में एक आवासीय स्कूल के 12 छात्र संदिग्ध भोजन विषाक्तता के कारण बीमार पड़ गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, चिक्कोडी तालुका के हिरेकोडी गांव में स्थित मोरारजी देसाई आवासीय स्कूल के छात्रों ने रविवार रात को खाना खाने के बाद उल्टी और पेट दर्द की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें तुरंत पास के एक अस्पताल ले जाया गया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: Y-E-29-2025-26-59
दिनांक: 24.10.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
सासलू, अज्जमपुरा, रामगिरी और होसदुर्गा रोड़ पर प्लॅटफार्म का विस्तार के लिए ओएचई पर संशोधन कार्य।	रु. 25,31,562.80

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 17.11.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ट्रैक्शन/मैसूरु
PUB/591/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. बी/टीआरडी/220/25-26 दिनांक: 29.10.2025

अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
सहायक मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी हिन्दूपुर (एचयूपी) और तिरूप्पाचेत्ति (टीपीसी) के लिए 14 माह की अवधि हेतु वाहनों को किराये पर लेना।	₹18,72,958.08/-

निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि: 20.11.2025 को 16:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी बंगलुरू
PUB/606/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

'डीप टेक दशक' को सशक्त बनाने के लिए सरकार की 600 करोड़ रुपए की निवेश प्रतिबद्धता : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) में 18 से 20 नवंबर तक होने वाले बेंगलूरु टेक समिट (बीटीएस 2025) के बहुप्रतीक्षित 28वें संस्करण से पहले, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और बीटी विभाग, कर्नाटक सरकार ने फ्यूचर मेकर्स कॉन्क्लेव (एफएमसी) की घोषणा करने के लिए सोमवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया – जो अपनी तरह की पहली पहल है और इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण है।

बैठक में कर्नाटक सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री, प्रियंक खरगे, कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी और एस एंड टी विभाग की सचिव, आईएएस डॉ. मंजुला एन. और कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और बीटी विभाग के निदेशक और केआईटीएस के प्रबंध निदेशक, आईएएस राहुल संकनूर भी उपस्थित थे।

नवाचार के एक ऊर्जावान उत्सव के रूप में डिज़ाइन किया गया, एफएमसी भारत के सबसे आशाजनक एआई और डीपटेक स्टार्टअप्स के लिए एक प्रदर्शनी स्थल के रूप में काम करेगा। इस कार्यक्रम में उभरते तकनीकी उद्यमों द्वारा शो-एंड-टेल सत्र, प्रसिद्ध वक्ताओं, यूनिकॉर्न संस्थापकों, निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों द्वारा मुख्य भाषण शामिल होंगे। सरकार ने कर्नाटक के डीप टेक दशक के लिए 600 करोड़ रुपये की घोषणा की। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रियंक खरगे ने 'डीप टेक दशक' को सशक्त बनाने के लिए सरकार की 600 करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धता की घोषणा की, जिसका उद्देश्य कर्नाटक को भारत की डीपटेक राजधानी के रूप में स्थापित करना है। खरगे ने कहा, यह पहल एआई, एमएल,

फ्यूचर मेकर्स कॉन्क्लेव के आधिकारिक लोगो का हुआ अनावरण

क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत विनिर्माण, रोबोटिक्स और स्थिरता-संचालित नवाचार जैसी तकनीकों पर काम करने वाले उद्यमियों का समर्थन करने वाली एक मज़बूत डीपटेक पाइपलाइन बनाने के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा, कर्नाटक सरकार इस पहल के तहत डीपटेक और एआई में □600 करोड़ का निवेश कर रही है और राज्य में डीपटेक और एआई स्टार्टअप्स को समर्पित □1,000 करोड़ तक का एक संयुक्त कोष बनाने के लिए अग्रणी उद्यम पूंजी फर्मों के साथ चर्चा कर रही है। हमारा खाका तैयार है, और हम प्रौद्योगिकी परिदृश्य में वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिए गंभीर हैं। वहीं बेंगलूरु के बाहर मैसूरु, मंगलूरु, हुब्बल्ली-धारवाड़ और कलबुर्गी में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 'एलिवेट बियॉन्ड बेंगलूरु फंड' के तहत □80 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार डीपटेक मूल्य श्रृंखला में निरंतर पूंजी प्रवाह और मापनीयता सुनिश्चित करने के लिए वीसी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ फंड-ऑफ-फंड और सह-निवेश मॉडल का पता लगाएगी।

कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी और एसएंडटी विभाग की सचिव, आईएएस डॉ. मंजुला एन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बीआईईसी में शामिल होने से सरकार को फ्यूचर मेकर्स कॉन्क्लेव जैसे बड़े और अधिक महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों की योजना बनाने में मदद मिली है। उन्होंने आगे कहा, बीआईईसी विश्वस्तरीय सुविधाएँ और उत्कृष्ट कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जिससे बीटीएस 2025 वैश्विक प्रतिभागियों की मेजबानी कर सकेगा और नवोन्मेषकों और निवेशकों, दोनों के लिए एक व्यापक अनुभव प्रदान कर सकेगा।

बेंगलूरु टेक समिट (बीटीएस 2025) का 28वां संस्करण 18-20 नवंबर तक बीआईईसी में आयोजित किया जाएगा, जो एक आधुनिक, उद्देश्य-निर्मित स्थल है और विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचा और पर्यावरण-सचेत सुविधाएँ प्रदान करता है।

इस आयोजन में 60 से अधिक देशों के 50 हजार से अधिक व्यवसायिक आंगुतक शामिल होंगे। 1000 से ज्यादा प्रदर्शक और 20 हजार से ज्यादा प्रतिनिधि भाग लेंगे। 500 से ज्यादा विषय वक्ता उपस्थित होंगे।

सोमवार को विधानसभा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के मौके पर फ्यूचर मेकर्स कॉन्क्लेव के आधिकारिक लोगो का अनावरण भी किया गया, जिसे प्रियंक खरगे ने जारी किया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: SWRTMYPR202526WT07
दिनांक: 27.10.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
दक्षिण पश्चिम रेलवे में ट्रैक मशीनों के उपयोग के लिए उपयुक्त अंत फिटिंग होज़ों को विधिवत करते हुए हाइड्रोलिक होज़ की खरीद। (कार्य पूरा होने की अवधि: 12 महीने)	रु. 91,73,969/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 25.11.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें

कार्यकारी इंजीनियर/ट्रैक मशीन यशवंतपुर/बेंगलुरु
PUB/594/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

बेंगलूरु | मंगलवार | 04-11-2025 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुविचार

इंसान अगर आपको केवल जरूरत पड़ने पर ही याद करता है तो उस बात का बुरा मत मानो, क्योंकि जब अँधेरा हो जाता है तभी दिए की याद आती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे रुकेगा यह 'कपट धंधा'?

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में एक मदरसे से 19 लाख रुपए से ज्यादा के नकली नोट बरामद होना पुलिस और खुफिया एजेंसियों की सतर्कता को दर्शाता है। वहीं, इतनी बड़ी तादाद में नकली नोटों के ढेर से कई सवाल पैदा होते हैं। जिस संस्था में पढ़ाई-लिखाई होनी चाहिए, वहां नकली नोट कैसे आए? जब मदरसे के इमाम के कमरे की तलाशी ली गई तो वहां नकली नोटों के कई बंडल मिले। यह 'कपट धंधा' किसी एक आदमी के बूते नहीं चल सकता। इसके पीछे जरूर कोई नेटवर्क है, जिसका पर्दाफाश होना चाहिए। नकली नोट छापना, उनका प्रसार करना और इस काम में किसी भी तरह से मदद करना गंभीर अपराध तो है ही, यह देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने जैसा है। नकली मुद्रा किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा होती है। ऐसे कृत्य में शामिल लोगों का अपराध अक्षम्य है। इन्हें कठोर दंड मिलना चाहिए। अब चूंकि यह मामला पुलिस और संबंधित एजेंसियों की नजरों में आ चुका है, इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि वे इसकी गहराई तक जाएंगी और अपराध में लिप्त दूसरे लोग भी पकड़ में आएंगे। यह कोई पहला मामला नहीं है। याद करें, पिछले साल अगस्त में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में भी एक मदरसे में नकली नोट छापने का मामला सामने आया था। आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में नकली नोट बरामद किए गए थे। उन्होंने काफी नोट बाजार में चला भी दिए थे। वे महाकुंभ मेले में ये नोट खपाना चाहते थे, लेकिन इससे पहले ही उनका भंडाफोड़ हो गया था।

भारत में नकली नोटों का प्रसार करने के पीछे अंतरराष्ट्रीय ताकतों का हाथ है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इन गतिविधियों का संचालन करने के लिए कुख्यात है। बांग्लादेश, नेपाल से लेकर भारत के विभिन्न शहरों में ऐसे तत्त्व मौजूद हैं, जो लालच और देशविरोधी मानसिकता के कारण यह अपराध करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब नोटबंदी की घोषणा की थी, तब उम्मीद जगी थी कि अब नकली नोटों का खेल काफी हद तक खत्म हो जाएगा, लेकिन अपराधी बाज़ नहीं आ रहे हैं। वे नोटों पर मौजूद सुरक्षा फीचर्स की ऐसी नकल कर रहे हैं कि आम आदमी आसानी से धोखा खा सकता है। सरकार को चाहिए कि वह ऐप आधारित ऐसे तकनीकी तौर-तरीकों को बढ़ावा दे, जो किसी भी नोट की वास्तविक स्थिति के बारे में तुरंत रिपोर्ट दें। नोटों में नए सुरक्षा फीचर्स को बढ़ाना चाहिए। खासकर बड़े नोटों में ऐसे फीचर्स हों, जो असली-नकली का भेद आसानी से खोल दें। हर एटीएम में ऐसे स्कैनर लगाए जाएं, जो नकली नोट आते ही मशीन को लॉक कर दें। इस कपट धंधे में लिप्त लोगों को पकड़ने के लिए खुफिया तंत्र को मजबूत करना बहुत जरूरी है। अगर कोई व्यक्ति ऐसे नेटवर्क की सूचना दे तो उसकी पहचान हर स्थिति में गुप्त रखने का वचन दिया जाए। साथ ही, बरामद हुए नोटों के कुल मूल्य का एक विशेष प्रतिशत इनाम में मिलना चाहिए। इससे अपराधियों में डर पैदा होगा कि वे पकड़े जाएंगे। नकली नोटों की समस्या से निपटने के लिए सबसे अच्छा तरीका है- डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देना। इससे नोटों पर निर्भरता कम हो जाएगी। हालांकि, वहां नई चुनौतियां पैदा हो रही हैं। साइबर धोखाधड़ी के मामले बहुत बढ़ गए हैं। इस तरीके को ज्यादा सुरक्षित बनाना चाहिए। जब लोग डिजिटल पेमेंट को प्राथमिकता देने लगेंगे तो नकली नोटों की समस्या भी कम होने लगेगी।

ट्वीटर टॉक

LVM3M5 मिशन के माध्यम से अब तक का सबसे भारी संचार उपग्रह CMS-03 सफलतापूर्वक लॉन्च कर खड्ठ्ज ने एक और स्वर्णिम अध्याय लिखा है। यह सफलता भारत की अंतरिक्ष में दक्षता और आत्मनिर्भरता की नई मिसाल है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

बेटियों से गौरवान्वित भारत। देश की बेटियों ने पहली बार महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर अभूतपूर्व विजय प्राप्त करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बहुत बधाई, आपने पूरे विश्व को खुशी का अवसर दिया है।।

-गोविंद सिंह डोटासरा

युवाओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हमारी सरकार सरकारी सेवाओं के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

नाविक गुरु

बप्राचीन मगध के किसी गांव में एक ज्ञानी पंडित रहते थे। वे भागवत कथा सुनाते थे। गांव में उनका बड़ा सम्मान था। लोग महत्वपूर्ण विषयों पर उनसे ही विचार-विमर्श कर मार्गदर्शन लेते थे। एक बार पंडितजी को राजधानी से राज्य के मंत्री का बुलावा आया। पंडितजी गांव की नदी नाव से पार कर राजधानी पहुंचे। मंत्री ने उनका अतिथि सत्कार कर कहा- मैंने आपके ज्ञान की काफी प्रशंसा सुनी है। मैं चाहता हूं कि आप प्रतिदिन यहां आएं और मुझे तथा मेरे परिजनों को कुछ दिन भागवत कथा सुनाएं। पंडितजी ने खुशी-खुशी स्वीकृति दे दी। अब पंडितजी प्रतिदिन नदी पार कर मंत्री को भागवत कथा सुनाने जाने लगे। एक दिन जब पंडितजी नदी पार कर रहे थे तो एक घड़ियाल ने पानी से सिर बाहर निकालकर कहा- पंडितजी, आते-जाते मुझे भी भागवत कथा सुना दिया कीजिए, मैं आपको मोटी दक्षिणा दूंगा, यह कहकर उसने अपने मुंह एक हीरों का हार निकालकर पंडित को दिया। पंडितजी हार देखकर भूल ही गए कि उनको मंत्री के यहां कथा सुनाने जाना है तथा तब से वह घड़ियाल रोज उन्हें हीरे-मोती देता। एक दिन नाव चलाने वाला नाविक उन्हें देखकर हंस पड़ा। पंडितजी ने हंसने का कारण पूछा तो वह बोला- मैं इसलिए हंस रहा हूं कि क्या आपने इतने शास्त्रों का ज्ञान सिर्फ एक घड़ियाल को उपदेश देने के लिए लिया है? आपके ऐसे ज्ञान की परिणति देख मुझे हंसी आ गई। पंडितजी को अपने लोभी स्वभाव पर शर्म आ गई और फिर वे कभी घड़ियाल को कथा सुनाने नहीं गए।

सामयिक

लोक संस्कृति का वाहक पुष्कर मेला

रमेश सर्राफ धमोरा
मो. 9414255034

राजस्थान में अजमेर से लगभग 11 कि.मी. दूर हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। यहां पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होता है जो इस मेले की शोभा को और बढ़ा देते हैं। पुष्कर मेला कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक लगता है। मेलों के रंग राजस्थान में देखते ही बनते हैं। ये मेले मरुस्थल के गांवों के कठोर जीवन में एक नवीन उत्साह भर देते हैं। लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर जगह-जगह पर नृत्य गान आदि समारोहों में भाग लेते हैं। यहां पर काफी मात्रा में भीड़ देखने को मिलती है। लोग इस मेले को श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं।

पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। पुष्कर मेले को खास माना जाता है क्योंकि यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व का एक अनूठा संगम है। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं। जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं।

> **पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। पुष्कर मेले को खास माना जाता है क्योंकि यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व का एक अनूठा संगम है।**

पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती है, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं, जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं। राजस्थान में त्यौहारों, पर्वो एवं मेलों की अनूठी परम्परा एवं संस्कृति है वैसी देश में अन्यत्र कहीं मिलना कठिन है। यहां का प्रत्येक मेला एवं त्यौहार लोक जीवन की किसी किवदन्ती या किसी ऐतिहासिक कथानक से जुड़ा हुआ है। इसलिए इनके आयोजन में सम्पूर्ण लोक जीवन पूरी सक्रियता से भाग लेता है। इन मेलों में राजस्थान की लोक संस्कृति जीवन्त हो उठती है। इन मेलों के अपने गीत हैं, जिनके प्रति जन साधारण की गहरी आस्था दृष्टिगोचर होती है। इससे लोग एकता के सूत्र में बंधें रहते हैं। राजस्थान में अधिकांश मेले पर्व व त्यौहार के साथ जुड़े हुए हैं।

मेलों का महत्व देवताओं एवं देवियों की आराधना को लेकर भी है क्योंकि देर्वाचन से मानव को शान्ति प्राप्त होती है। वैसे तो राजस्थान के विभिन्न भागों में बहुत बड़ी संख्या में मेले आयोजित किए जाते हैं, परन्तु कुछ गिने-चुने मेलों का अपना ही महत्व होता है। यहां के धार्मिक मेलों में सम्बंधित धर्म अनुयायियों के अतिरिक्त अन्य धर्म के लोग एवं अन्य जाति के लोग भी खुलकर भाग लेते हैं। मेला स्थल से परे पुष्कर नगरी का माहौल एक तीर्थनगरी सरीखा होता है। कार्तिक में स्नान का महत्व हिंदू मान्यताओं में वैसे भी काफी ज्यादा है। इसलिए यहां साधु भी बडी संख्या में नजर आते हैं। मेले के शुरुआती दिन जहां पशुओं की खरीद-फरोख्त पर जोर रहता है। वहीं बाद के दिनों में पूर्णिमा पास आते-आते धार्मिक गतिविधियों का जोर हो जाता है। श्रद्धालुओं के सरोवर में स्नान करने का सिलसिला भी पूर्णिमा को अपने चरम पर होता है।

नजरिया

क्रिकेट के आकाश पर छा गई भारत की बेटियां

रोहित माहेश्वरी

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीमों के बीच वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल मुकाबला खेला गया। जिसमें टीम इंडिया ने मेहमान टीम को 52 रनों से हराकर इतिहास रच दिया है। इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने ये करिश्मा करके दिखाया है। जिसका जश्न आज पूरा भारत मना रहा रहा है। भारत की बेटियों की जय हो! वाह, क्या खेल दिखाया है? क्या जुझारू पारी और एकाग्रता की मिसाल कायम की है? विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय है!यह सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी उम्मीदों का चरमोत्कर्ष था। यह आधी आबादी को संबल देने वाली जीत है जो नजीर बन गई उनके लिए जो एक मुकाम हासिल करना चाहती हैं।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबले पर हर किसी की नजरें बनी हुई थीं। 25 साल के विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप के इतिहास में एक बार फिर से महिला क्रिकेट टीम के सामने एक सुनहरा मौका था और उन्होंने इसमें बाजी मारते हुए विश्वे विजेता बनकर देश का मान और गौरव बढ़ा दिया है। विमेंस क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका जीत के लिए 299 रनों का बड़ा लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में पूरी मेहमान टीम 45.3 ओवर में 246 रनों पर सिमट गई और 52 रनों से टीम इंडिया ने ये मैच जीत लिया। भारत और हम भारतीयों को अपेक्षाएं ही नहीं थीं। हमने महिला क्रिकेट तो क्या, महिला खिलाड़ियों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। फाइनल मैच से पहले सेमीफाइनल में भारत की बेटियों ने जो करिश्मा कर दिखाया। उसकी बात करना जरूरी जान पड़ता है। असल में वो मैच निर्णायक मैच तो था ही। वहीं उस मैच में मिली जीत ने टीम इंडिया के आत्मविश्वास का स्तर बहुत ऊंचा कर दिया था। महिला टीम इंडिया ने 7 बार की विश्व चैम्पियन और लगातार 15 मैचों की अजेय ऑस्ट्रेलिया टीम को पराजित कर विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया,वो पल खेल के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गए।

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने ग्रुप स्तर पर टीम इंडिया के 330 रनों का सफल चेज कर जीत हासिल की थी। लिहाजा सेमीफाइनल मुकाबले में किसी अतिरिक्त करिश्मे की उम्मीद नहीं थी, लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स के रूप में मानो कोई फरिश्ता उतर आया और उसने अभूतपूर्व करिश्मा कर दिखाया। जेमिमा को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में ड्रॉप' किया गया था। जेमिमा की फॉर्म भी अच्छी नहीं थी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने 70 से अधिक रन ठोके थे। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने 338 रन का पहाड़-जैसा लक्ष्य दिया था। जवाब में जब टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज-शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना-अपेक्षाकृत कम स्कोर पर आउट हो गए, तो भारत की पारी डूबती-सी लगी। उन स्थितियों में जेमिमा ने नाबाद 127 रन (134 गेंद, 14 चौके) बनाकर न केवल विश्व कप का अपना पहला शतक लगाया, बल्कि कप्तान हरमनप्रीत कौर (88 गेंद पर 89 रन) के साथ तीसरे विकेट की साझेदारी में 167 रन (156 गेंद) बना कर पहाड़' की ऊंचाई को एक हद तक कम कर दिया। जेमिमा ने दीप्ति शर्मा के साथ 38 रन (34 गेंद), ऋचा घोष के साथ 46 रन (31 गेंद) और अमनजोत कौर के साथ नाबाद 31 रन (15 गेंद) जोड़े और एक अविश्वसनीय-सी लग रही जीत पर मुहर लगा दी। विश्व कप का यह सबसे बड़ा और सफल चेस रहा।

> **भारत और हम भारतीयों को अपेक्षाएं ही नहीं थीं। हमने महिला क्रिकेट तो क्या, महिला खिलाड़ियों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। फाइनल मैच से पहले सेमीफाइनल में भारत की बेटियों ने जो करिश्मा कर दिखाया। उसकी बात करना जरूरी जान पड़ता है। असल में वो मैच निर्णायक मैच तो था ही। वहीं उस मैच में मिली जीत ने टीम इंडिया के आत्मविश्वास का स्तर बहुत ऊंचा कर दिया था। महिला टीम इंडिया ने 7 बार की विश्व चैम्पियन और लगातार 15 मैचों की अजेय ऑस्ट्रेलिया टीम को पराजित कर विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया,वो पल खेल के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गए।**

भारत ने 1978 में पहली बार महिला विश्व कप में हिस्सा लिया था। 2005 व 2017 में मिताली राज की कप्तानी में भारत फाइनल तक पहुंचा, पर दोनों बार ट्रॉफी हाथ से फिसल गई। आखिरकार हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम विश्व विजेता बन गई। महिला टीम की यह पहली आईसीसी ट्रॉफी है। 1983 में कपिल देव और 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पुरुष टीम ने वनडे विश्व कप जीता था। अब हरमनप्रीत कौर की अगुआई में बेटियों ने भी विश्व चैंपियन का तमगा पा लिया। यह जीत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 297 रन का स्कोर खड़ा किया जो महिला वनडे विश्व कप फाइनल का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है, जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 246 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान लौरा वोल्वार्ट (101) ने शतकीय पारी खेली, पर टीम को जीत नहीं दिला पाईं। महिला टीम की जीत ने 2024 टी-20 विश्व कप की यादें भी ताजा कर दीं, जब रोहित की कप्तानी ने भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरा टी-20 खिताब जीता था।

दक्षिण अफ्रीकी टीम पहली बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची। टीम इंडिया ने उनके खेल और हुनर को किसी भी तरह कमतर आंकने के गलती नहीं की। महिला टीम इंडिया 2005 और 2017 में भी फाइनल में पहुंच चुकी है। हमें उस स्तर के तनाव और दबाव का अनुभव हो चुका था। टीम इंडिया ने 2017 विश्व कप में भी, सेमीफाइनल मुकाबले में, ऑस्ट्रेलिया टीम को पराजित किया था। हम यह कई बार साबित कर चुके हैं कि ऑस्ट्रेलिया टीम अजेय' नहीं है। उसे किसी भी दिन, बेहतर खेल के जरिए, पराजित किया जा सकता है। अब भारत की बेटियों ने विश्व कप को जीत कर अपनी प्रतिभा, लगन और मजबूत इरादों का प्रदर्शन कर दिया है। यह प्रदर्शन उम्मीद से कहीं ज्यादा है। इसे भारतीय महिला क्रिकेट का उभार भी कहा जा सकता है।

यह सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट के स्वर्ण युग की शुरुआत है। अब तक पुरुष टीम के मुकाबले महिला क्रिकेट को कम आंका जाता था, लेकिन इस जीत ने पूरी तस्वीर बदल दी है। अब बीसीसीआई और राज्य संघ महिला क्रिकेट में अधिक निवेश करेंगे, घरेलू टूर्नामेंट्स को विस्तार मिलेगा और नए प्रायोजक सामने आएंगे। बीसीसीआई के अनुबंध ढांचे में अभी भी बड़ा अंतर है। जहां पुरुष क्रिकेटरों को सालाना अनुबंध में अधिकतम 7 करोड़ रुपये मिलते हैं, वहीं महिला खिलाड़ियों की शीर्ष श्रेणी 50 लाख रुपये पर सीमित है। यह जीत शायद उस असमानता को तोड़ने का पहला कदम बने।

यह जीत सिर्फ मैदान की नहीं, बल्कि मानसिकता की जीत है। अब गांव-शहर की लड़कियां क्रिकेट को करियर के रूप में देखेंगी। माता-पिता भी बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। 'लड़की होकर क्रिकेट' जैसी पुरानी सोच को यह जीत हमेशा के लिए बदल देगी। शेफाली, दीप्ति और हरमनप्रीत जैसी खिलाड़ी अब हर लड़की की प्रेरणा बनेंगी। कोहली, गिल की तरह ही अब हमारी लड़कियां भी नए हेयरस्टाइल, टैटू के साथ युवाओं के लिए नई सुपरस्टार और रोल मॉडल होंगी। भारत की यह जीत लैंगिक समानता की दिशा में बड़ा कदम है। इससे महिला खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू बढ़ेगी, फिल्मों और मीडिया में उनकी ज्यादा कहानियां आएंगी और समाज महिलाओं के नेतृत्व को नए दृष्टिकोण से देखेगा। यह ट्रॉफी सिर्फ एक खिताब नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, समान अवसर और नए भारत की नारी शक्ति का उदाहरण बन जाएगी।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऐतिहासिक क्षण : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप जीत पर राष्ट्रपति ने कहा

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पहला विश्व कप जीतने पर सोमवार को बधाई दी और कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण खेल को और भी ऊंचाई पर ले जाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका पर 52 रन की जीत के साथ अपना पहला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया और देश की खेल उपलब्धियों में एक स्वर्णिम अध्याय लिख दिया। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं लड़कियों द्वारा भारत को गौरवान्वित किए जाने की सराहना करती हूं।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रत्येक सदस्य को आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीतने पर हार्दिक बधाई! उन्होंने पहली बार इसे जीतकर इतिहास रच दिया है।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''वे अच्छा खेलती रही हैं और आज उन्हें अपनी प्रतिभा एवं प्रदर्शन के अनुरूप परिणाम मिला। यह ऐतिहासिक क्षण महिला क्रिकेट को और भी ऊंचे स्तर पर ले जाएगा। लड़कियों ने भारत को जिस तरह से गौरवान्वित किया है, मैं उसकी प्रशंसा करती हूं।''

मैने वैसा ही प्रदर्शन किया जैसा एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर करना चाहती थी : दीप्ति शर्मा

मुंबई। भारत की महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप में खिताबी जीत की नायिकाओं में से एक दीप्ति शर्मा ने कहा कि अपनी धरती पर आईसीसी विश्व खिताब जीतना टीम की नियति में था। दीप्ति ने फाइनल में पांच विकेट लेने के साथ 58 रन भी बनाये। उन्होंने 22 विकेट लेने के साथ 215 रन बनाकर प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार जीता। दीप्ति ने पीटीआई वीडियो से कहा, मुझे अच्छा लग रहा है। विश्व कप में पहले मैच से लेकर मैने वैसा ही प्रदर्शन किया जो एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर करना चाहती थी। फाइनल में ऐसा प्रदर्शन करने से बढकर कुछ नहीं हो सकता। विश्व खिताब के लिये लंबे इंतजार को लेकर उन्होंने कहा, विश्व कप जीतने में काफी समय लगा लेकिन ईश्वर ने हमारी नियति में लिखा था कि हम भारत में ही यह खिताब जीतेंगे। उन्होंने कहा, डी वाई पाटिल स्टेडियम की मेरी कई सुखद यादें हैं। हमने यहां सारी श्रृंखलायें जीती है। एक टीम के रूप में हम काफी सकारात्मक रहे। नतीजा चाहे जो हो, हम एक टीम की तरह खेले। दीप्ति ने कहा, हम यह खिताब जीतना चाहते थे क्योंकि यह टूर्नामेंट भारत में हो रहा था। हर गेंद पर लग रहा था कि यह मैच जल्दी खत्म होगा और हम जीतेंगे। अब वह इंतजार खत्म हो गया।

विश्व कप विजेता भारतीय महिला टीम को 51 करोड रुपए का पुरस्कार देगा बीसीसीआई

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम को एकदिवसीय विश्व कप जीतने पर 51 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम ने रविवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार वैश्विक ट्रॉफी जीती। सैकिया ने सोमवार को पीटीआई को बताया, बीसीसीआई विश्व कप जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सम्मान के तौर पर 51 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देगा। इसमें सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य शामिल हैं।

इसरो ने अपने रॉकेट का नाम रखा 'बाहुबली', एसएस राजामौली ने खुशी जताई

नई दिल्ली/भाषा। फिल्म निर्माता एस एस राजामौली ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रति आभार व्यक्त किया है। इसरो ने हाल ही में थिएटरों में फिर से रिलीज हुई उनकी फिल्म बाहुबली के एक चरित्र के नाम पर अपने एक रॉकेट का नाम रखा है। राजामौली ने इसे पूरी टीम के लिए एक विशेष सम्मान बताया।

भारत ने अंतरिक्ष इतिहास में एक गौरवशाली क्षण देखा जब इसरो ने सोमवार को अपने सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। दूरसंचार और प्रसारण क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से निर्मित इस उपग्रह को इसरो के सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान द्वारा कक्षा में स्थापित किया गया, जिसे अब एक स्नेही और जाना-पहचाना उपनाम 'बाहुबली' मिल गया है। निर्देशक ने रविवार को एक 'एक्स' पोस्ट में लिखा, आज सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो को बधाई! अंतरिक्ष अन्वेषण में हमारी तकनीकी शक्ति और आत्मनिर्भरता को प्रदर्शित करने वाले भारत के लिए यह गौरव का क्षण है। आगे बढ़ते रहो, ऊपर की ओर! उन्होंने कहा, हमारी पूरी बाहुबली टीम इस बात से बेहद खुश है कि इसरो ने इस रॉकेट का नाम 'बाहुबली' रखा है। इसके भारीपन और ताकत के कारण... यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है।

अमिताभ बच्चन, काजोल समेत विभिन्न हस्तियों ने

विश्व कप जीतने पर महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। अमिताभ बच्चन, करीना कपूर खान, काजोल समेत विभिन्न हस्तियों ने आईसीसी विश्व कप जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई दी। भारतीय टीम ने रविवार को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार आईसीसी विश्व कप अपने नाम किया।

बच्चन ने 'एक्स' पर लिखा, जीत गए... भारतीय महिला क्रिकेट टीम... विश्व चैंपियन! आप सभी ने हमें बहुत गौरवान्वित महसूस कराया। बधाई, बधाई, बधाई। करीना कपूर खान ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर टीम को बधाई देते हुए लिखा, अब भी खुशी के आंसू छलक रहे हैं। वहीं, काजोल ने भी इंस्टाग्राम पर कहा कि उन्हें टीम पर गर्व है। उन्होंने लिखा, हमारी 'वीमेन इन ब्लू' (नीली जर्सी वाली महिला टीम) पर गर्व है। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने कहा यह जीत एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, वाह चैंपियंस! यह सचमुच एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। वहीं, प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हमारी टीम इंडिया को चैंपियन बनने पर बधाई। विक्की कौशल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, वर्ल्ड चैंपियंस। क्या खेल दिखाया। इसके अलावा कार्तिक आर्यन, श्रद्धा कपूर, रश्मिका मंदना, शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, पूजा हेगड़े और वरुण धवन ने भी टीम को बधाई दी।

ओमेक्स ने क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर को बनाया ब्रांड एम्बैसडर

नई दिल्ली/भाषा। रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स लिमिटेड ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना ब्रांड एम्बैसडर बनाया है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर 52 रनों की जीत के साथ पहला आईसीसी महिला विश्व कप खिताब रविवार को अपने नाम किया था। रियल एस्टेट कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि ओमेक्स ने कौर को कंपनी का ब्रांड एम्बैसडर बनाया है। ओमेक्स ने कहा कि हरमनप्रीत कौर के साथ कंपनी की साझेदारी खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा ऐसे बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के उसके दृष्टिकोण को मजबूत करती है.. जो एथलीट के लिए उचित हो। हरमनप्रीत कौर ने कहा, ''मुझे ब्रांड एम्बैसडर के रूप में ओमेक्स के साथ जुड़ने और एक ऐसी कंपनी के साथ आने से खुशी है जो युवाओं को सशक्त बनाने व समुदायों को मजबूत करने का काम करती है..'' ओमेक्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है।

कहानी एक कोच की : 'चक दे इंडिया' के कबीर खान की याद दिलाते हैं अमोल मजूमदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पांच दशक के इंतजार के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जब पहली बार विश्व कप थामा तो खिलाड़ियों के साथ पूरा देश खुशी से झूम उठा लेकिन वहीं मैदान पर खड़े एक इंसान की आंखों में आंसू, चेहरे पर मुस्कुराहट के साथ संतोष का भाव था मानो जीत पुराने जख्मों पर मरहम लगा गई। यह थे भारतीय महिला टीम के कोच अमोल मजूमदार। घरेलू क्रिकेट में 20 सत्र और 11000 से अधिक प्रथम श्रेणी रन बनाने के बावजूद भारत की जर्सी पहनने का उनका सपना अधूरा ही रहा। बतौर खिलाड़ी कई बार दिल टूटा, कई मलाल रह गए लेकिन इस जीत ने उनके सफर को मुकम्मिल कर दिया।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जीत के बाद 'गुरु' मजूमदार के पैर छूए और गले लगकर रो पड़ी तो टीवी के आगे नजरे गड़ाये जीत का जश्न देख रहे हर क्रिकेटप्रेमी की आंख भी भर आई। इसी महीने अपना 51वां जन्मदिन मनाने जा रहे मजूमदार की कहानी शाहरुख खान की फिल्म चक दे इंडिया' के हॉकी कोच कबीर खान की याद दिलाती है जो हर कयास को गलत साबित करके टीम को विश्व कप दिलाता है और यह जीत उसके अतीत के कई घावों पर मरहम भी लगा जाती है। जीत मिलने के बाद वह जश्न के बीच अपने भीतर जज्बात के तूफान को समेटने की कोशिश करता नजर आता है लेकिन चेहरे पर सुकून साफ दिखाई देता है। मजूमदार ने फाइनल में जीत के बाद कहा, ''मैं उनसे (भारतीय खिलाड़ियों) यही कहता था कि हम हार नहीं रहे हैं। बस उस बाधा को पार करने से चूक जा रहे हैं। हम उन तीनों मैचों (लीग चरण में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ मैच) में काफी प्रतिस्पर्धी रहे और ये सभी मैच काफी करीबी थे।'' दो साल पहले टीम के कोच बने मजूमदार की नजरें हमेशा से इस विश्व कप पर थी लेकिन तब यह असंभव सा लग रहा था क्योंकि भारतीय महिला क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं थी लेकिन नतीजे नहीं मिल रहे थे। पिछले पांच साल में रमेश पोवार, डब्ल्यू वी रमन और फिर पोवार कोच रह चुके थे। रमन के कार्यकाल में भारत आस्ट्रेलिया में 2020 में टी20 विश्व कप के फाइनल में जरूर पहुंचा लेकिन उसके अलावा वैश्विक स्पर्धाओं में निराशा ही हाथ लगी।

यही नहीं टीम के भीतर गुटबाजी, विश्वास की कमी और अनुशासनहीनता की भी खबरें गाहे बगाहे आ रही थी। मजूमदार के आने से पहले करीब दस महीने तक भारतीय टीम के पास पूर्णकालिक कोच नहीं था। पोवार को दिसंबर 2022 में हटा दिया गया था और बीच में रिषिकेश कानिटकर तथा नूशीन अल कादिर अंतरिम तौर पर काम देख रहे थे। सबसे पहले उन्होंने अपनी टीम का भरोसा जीता। सभी खिलाड़ियों से स्पष्ट संवाद रखा। अच्छे प्रदर्शन पर पीठ थपथपाई तो बुरे दौर में साथ खड़े दिखे। आलोचनाओं के बीच खिलाड़ियों के लिये ढाल बनकर खड़े नजर आये और यहीं से नींव पड़ी विश्वास के ऐसे रिश्ते की जिसकी परिणिति विश्व कप ट्रॉफी के रूप में 'गुरुदक्षिणा' के साथ हुई।

जन्मदिन पर शाहरुख खान ने प्रशंसकों के प्रति आभार जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने अपने 60वें जन्मदिन पर प्रशंसकों के लिए आयोजित एक खास कार्यक्रम में मुकुट (क्राउन) से सजा तीन-टियर वाला एक काला केक काटा। रविवार शाम को मुंबई के बांद्रा स्थित बाल गंधर्व रंग मंदिर सभागार' में इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया जहां दर्शकों से खचाखच भरे सभागार में शाहरुख ने प्रशंसकों के साथ एक वीडियो के लिए पोज देते हुए अपने करियर, बच्चों की आकांक्षाओं और पछतावे से जुड़े सवालों के जवाब दिए।

शाहरुख ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग' की पहली झलक (टीजर और पोस्टर के रूप में) को सार्वजनिक किया और सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित इस फिल्म के टीजर में शामिल कुछ संवाद (डायलॉग) भी सुनाए। अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस कार्यक्रम का एक वीडियो साझा किया जिसमें वे प्रशंसकों से घिरे हुए दिखाई दे रहे हैं।

पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने अपने जन्मदिन को खास बनाने के लिए प्रशंसकों का शुक्रिया अदा किया। शाहरुख के प्रशंसक अपने पसंदीदा सितारे की एक झलक पाने के लिए भारत और दुनिया के

विभिन्न कोनों से आते हैं। रविवार को उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''मेरे जन्मदिन को हमेशा की तरह खास बनाने के लिए धन्यवाद। मैं आप सभी का आभारी हूं... और जिनसे मैं नहीं मिल सका उनसे जल्द ही मिलूंगा। सिनेमाघर में और अगले जन्मदिन पर। आप सभी को मेरा प्यार।''

शाहरुख पारंपरिक रूप से अपने जन्मदिन पर 'मन्नत' (उनका घर) से प्रशंसकों का अभिवादन करते रहे हैं, लेकिन इस साल भीड़ नियंत्रण की समस्याओं' के कारण उन्होंने यह नहीं किया। वह इसके पहले आमतौर पर बांद्रा स्थित अपने घर 'मन्नत' की ऊंची बालकनी से प्रशंसकों का अभिवादन करते रहे हैं।

अभिनेता ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए उन प्रशंसकों से माफी मांगी जिन्होंने घंटों उनके घर के बाहर इंतजार किया। शाहरुख ने बताया, अधिकारियों ने मुझे सलाह दी है कि मैं बाहर आकर उन सभी प्यारे लोगों से नहीं मिल पाऊंगा जो मेरा इंतजार कर रहे हैं। आप सभी से मैं माफी चाहता हूं लेकिन मुझे सूचित किया गया है कि भीड़ नियंत्रण संबंधी समस्याओं' के कारण यह सभी की सुरक्षा के लिए है।''

वर्ष 2023 की फिल्म 'पठान' के बाद शाहरुख और सिद्धार्थ आनंद दूसरी बार मिलकर फिल्म 'किंग' में काम कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख की बेटी सुहाना खान और दीपिका पादुकोण हैं और यह फिल्म 2026 में रिलीज की जाएगी। इसे 'रेड चिलीज एंटरटेनमेंट' और 'मारफ्लिक्स पिक्चर्स' द्वारा बनाया गया है।

अगवा कर बुजुर्ग मुस्लिम व्यक्ति से शादी के लिए मजबूर की गई हिंदू लड़की को परिवार से मिलाया गया

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत की एक अदालत के आदेश के बाद उस हिंदू लड़की को उसके परिवार के पास पहुंचा दिया गया जिसे अगवा कर लिया गया था और जबरन धर्म परिवर्तन कराकर एक बुजुर्ग मुस्लिम व्यक्ति से निकाह करा दिया गया था। समुदाय के एक नेता ने यहां यह जानकारी दी। कराची से लगभग 310 किलोमीटर पूर्व में स्थित उमरकोट की एक अदालत ने सुनीता कुमारी महाराज को शनिवार को उनके परिवार से मिलाने का आदेश दिया। यह जानकारी हिंदू कार्यकर्ता शिव काछी ने दी, जो लड़की के माता-पिता की ओर से मामले की पैरवी कर रहे थे।

सुनीता को मीरपुरखास जिले के कुनरी कस्बे से अगवा किया गया था और बाद में उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया तथा एक उम्रदराज मुस्लिम व्यक्ति से उसका जबरन निकाह करा दिया गया था। स्थानीय हिंदू समुदाय के नेताओं और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने कहा कि सुनीता कुछ उन भाग्यशाली हिंदू लड़कियों में से एक है जिन्हें न्याय मिला है। उमरकोट से अधिवक्ता चंदर कोहली ने सोमवार को कहा, सुनीता का मामला कोई अकेला मामला नहीं है। हिंदू लड़कियों का अपहरण, जबरन धर्मांतरण और विवाह एक ऐसा संकट है जो सिंध में हमारे समुदाय को आतंकित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुनीता के माता-पिता और कार्यकर्ताओं द्वारा मामला दर्ज कराए जाने के बाद पता चला कि वह उमरकोट में है। अदालत ने कई सुनवाइयों के बाद उसे 'सुरक्षित घर' भेज दिया।

अनियमितताओं या भ्रष्टाचार के मामले में अदाणी के साथ समझौते रद्द किए जा सकते हैं : बांग्लादेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा कि कोई अनियमितता या भ्रष्टाचार साबित होने पर भारत के अदाणी समूह के साथ मौजूदा बिजली समझौतों को रद्द करने में संकोच नहीं किया जाएगा। अदाणी पावर और बांग्लादेश के बीच 2017 का बिजली आपूर्ति समझौता पिछले साल शेख हसीना नीत सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद जांच के घेरे में आ गया था।

स्थानीय मीडिया ने ऊर्जा मामलों के सलाहकार मुहम्मद फौजुल कबीर खान के हवाले से कहा, समझौतों में (सामान्यत:) यह कहा गया है कि कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है लेकिन यदि इसके विपरीत साबित होता है तो इन्हें रद्द किया जा सकता है। राष्ट्रीय समीक्षा समिति द्वारा प्रस्तुत एक अंतरिम रिपोर्ट पर सलाहकार ने यह प्रतिक्रिया दी। समिति का गठन हसीना शासन के दौरान बिजली क्षेत्र के समझौते की समीक्षा के लिए किया गया था। सलाहकार की टिप्पणियों पर अदाणी समूह की

ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है।

उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश मोइनुल इस्लाम चौधरी की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय समीक्षा समिति ने हाल ही में हसीना शासन के दौरान हुए सौदों में कथित भ्रष्टाचार पर अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपी है। समिति के जनवरी में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। चौधरी ने पत्रकारों से कहा कि समिति ने अदाणी समूह के साथ बिजली खरीद सौदे पर भी एक अलग रिपोर्ट तैयार की है। इन 2017 के सौदे के तहत झारखंड में अदाणी पावर के गोड्डा बिजली संयंत्र को 25 वर्षों की अवधि के लिए कोयले से उत्पन्न 100 प्रतिशत बिजली की बांग्लादेश को आपूर्ति करनी थी। बांग्लादेश ने जून में अदाणी पावर को 43.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया जिससे उसके बकाया में उल्लेखनीय कमी आई।

इससे पहले, बांग्लादेश बकाया भुगतान के लिए संघर्ष कर रहा था जिसके कारण अदाणी को आपूर्ति कम करनी पड़ी थी। समिति के एक सदस्य ने पत्रकारों से कहा कि विदेशी कंपनियों के साथ समझौतों में कानूनी जटिलताएं शामिल हैं, जिसके कारण अधिक जुर्माने से बचने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी किए बिना उन्हें एकतरफा रूप से रद्द करना कठिन है।

सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने नाम उजागर किए बिना एक व्यक्ति के हवाले से कहा, ''हमारा मानना है कि जब अदाणी और भ्रष्टाचार में शामिल अदाणी से संबंधित कुछ अन्य कंपनियों के खिलाफ देश एवं विदेश में कानूनी प्रक्रिया शुरू होगी तो आपको भ्रष्टाचार के मजबूत सबूत मिलेंगे।'' प्रमुख न्यायविद शाहदीन मलिक ने सरकार से विदेशी समझौतों को रद्द करने के जोखिमों पर विचार करने को कहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे विदेशी समझौतों को रद्द करने के कानूनी आधार मौजूद हैं और मामले को अंतरराष्ट्रीय अदालत में ले जाने पर पांच अरब डॉलर तक का दावा हो सकता है।

ट्रंप ने परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने के फैसले को सही बताया

पाकिस्तान और चीन का दिया हवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीन दशक के अंतराल के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू करने की अपनी योजना को सही ठहराते हुए कहा कि पाकिस्तान और चीन उन देशों में शामिल हैं जो परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। ट्रंप ने गत बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अपनी बैठक से पहले घोषणा की थी कि अमेरिका प्रतिद्वंद्वी शक्तियों के साथ बराबरी के आधार' पर परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू करेगा।

ट्रंप ने रविवार को सीबीएस न्यूज की नोरा ओ डोनेल को दिये एक एक साक्षात्कार में रूस, चीन, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान को परमाणु हथियार परीक्षण करने वाले देश बताया। उन्होंने कहा, ''रूस और चीन परीक्षण कर रहे हैं, लेकिन वे इसके बारे में बात नहीं करते। आप जानते हैं, हम एक खुला समाज हैं। हम अलग हैं। हम इसके बारे में बात करते हैं... हम परीक्षण करेंगे, क्योंकि वे परीक्षण करते हैं और दूसरे भी परीक्षण करते हैं।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''निश्चित रूप से उत्तर कोरिया परीक्षण कर रहा है। पाकिस्तान भी परीक्षण कर रहा है।'' रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले सप्ताह कहा था कि रूस ने पोसाइडन परमाणु-सक्षम सुपर 'टॉरपीडो' का परीक्षण किया है। ट्रंप ने अपने वक्तव्य में परमाणु हथियारों के परीक्षण की प्रक्रिया पुनः शुरू करने के अपने निर्णय को दृढ़तापूर्वक उचित ठहराया।

उन्होंने कहा कि हथियारों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण आवश्यक है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, वे (दूसरे देश) परीक्षण करते हैं, और हम परीक्षण नहीं करते। हमें परीक्षण करना ही होगा। रूस ने भी कुछ दिन पहले थोड़ी धमकी दी थी जब उसने कहा था कि वे कुछ अलग स्तर के परीक्षण करने वाले हैं। लेकिन रूस परीक्षण करता है, चीन परीक्षण करता है, और हम भी परीक्षण करने वाले हैं।'' उन्होंने कहा, ''आप परमाणु हथियार बनाते हैं और फिर उनका परीक्षण नहीं करते। आप ऐसा कैसे करेंगे? आपको कैसे पता चलेगा कि वे काम करते हैं या नहीं?''

भीनमाल जैन संघ के स्नेह मिलन में हुआ मेधावियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के भीनमाल जैन संघ का 34वां दीपावली स्नेह मिलन रविवार को नेलमंगला स्थित एक रिसोर्ट में हुआ। संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल चौहान, सचिव जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, सहसचिव राजेश वाणीगोता, उपाध्यक्ष वंशराज बोहरा, कोषध्यक्ष शांतिलाल लुंकड व अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। अध्यक्ष जयंतीलाल चौहान ने सभी का स्वागत किया। सचिव जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए अपने कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक सदस्य ने अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा और जिम्मेदारी से किया है। कोषाध्यक्ष शांतिलाल लुंकड ने वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में भीनमाल की 9 वर्ष की निविकुमारी बोहरा का संघ द्वारा विशिष्ट सम्मान किया गया। निवि बाहरा को जैन धर्म के अनेक सूत्र सहित कुल 2000गाथाएँ कंठस्थ हैं। स्नेह मिलन में तपस्वियों और प्रतिभावान विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया। बिंदु मेहता द्वारा संगीतमय कार्यक्रम एवं मेजिक शो आयोजित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संघ के सदस्य व युवा सदस्य उपस्थित थे।

मान अभिमान से दूर होने का करें प्रयासः संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि मानव की एक बड़ी कमजोरी होती है कि वह सोना, धन, विलास एक पल में छोड़ देता है लेकिन मान, अभिमान, ईर्ष्या छोड़ना बहुत ही कठिन है। मानव हर चीज को लेकर अभिमान करने में लगा है। अभिमान ही उसके कर्मों के बंध का मुख्य कारण है। जब तक अभिमान, मान और ईर्ष्या से दूर नहीं होंगे तब तक जीवन सफल नहीं होगा। मानव को काल आने पर मिट्टी में मिल जाना है। यह जानते हुए भी मानव मान से दूर नहीं हो रहा है। मानव बहुत ही नादान है। सब कुछ जानने के बावजूद मानव अभिमान करने में लगा है। सब कुछ एक दिन यहीं रह जाना है। मानव को खाली हाथ ही जाना है। जो झुकता है वहीं पाता है। अकड़ने वाला पाकर भी गंवा देता है। अभिमान छोड़ कर प्रेम करना सीखें। जब तक मानव में ऐसा व्यवहार नहीं आएगा उसका कल्याण नहीं होगा। झुकता वही है जिसमें जान होती है। अकड़पन तो खास मुर्दे की पहचान होती है। अकड़ कर मानव जीते जी मुर्दे जैसी स्थिति में है। जब तक अकड़ और अभिमान से मानव दूर नहीं होगा उसका जीवन नहीं सुधरेगा। ऐसा कर मानव अपने कर्मों का लगातार बंध करता जा रहा है। सोमवार को प्रवचन में मल्लेश्वरम महिला मंडल की विशेष उपस्थिति रही। प्रवचन में सरला धोखा ने एक गीतिका प्रस्तुत की। उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने धन्यवाद दिया। संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

विचारों की शुद्धि ही आत्मा की सिद्धि है : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने अपने प्रवचन में कहा कि विचारों की शुद्धि ही आत्मा की सिद्धि का प्रथम सोपान है। उन्होंने कहा कि मनुष्य के समस्त कर्म, उसकी वाणी और व्यवहार, उसके विचारों की ही प्रतिच्छाया हैं। यदि हमारे विचार निर्मल, सात्त्विक और करुणामय होंगे तो जीवन स्वयं ही पवित्रता और शांति से भर जाएगा। मुनिश्री ने कहा कि आत्मा की सिद्धि कोई बाहरी उपलब्धि नहीं, बल्कि अंतर की निर्मलता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जब अपने भीतर उठते विकारों, ईर्ष्या, क्रोध, और अहंकार को पहचानकर उन्हें साधना से रूपांतरित करता है, तभी वह आत्मबोध की दिशा में अग्रसर होता है। आज की भौतिक युग की प्रतिस्पर्धा में मनुष्य बाहर की उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जबकि वास्तविक प्रगति विचारों की पवित्रता में निहित है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक चिंतन, संयमित वाणी और करुणामय दृष्टि ही वह साधन हैं जिनसे आत्मा का उत्थान संभव है।

मुनिश्री ने कहा कि प्रतिदिन आत्मचिंतन, प्रार्थना और ध्यान को जीवन का अनिवार्य अंग बनाएं। उन्होंने कहा कि जब विचारों में शुद्धता आती है, तो आत्मा का दर्पण स्वच्छ हो जाता है और उसमें परमात्मा का प्रकाश सहज ही प्रतिबिंबित होता है। कार्यक्रम का शुभारंभ रूपेश मुनि जी के मधुर भजनों से हुआ।

चातुर्मास समाप्ति पर अलसूर महिला मंडल ने जरूरतमंदों को राशन सामग्री भेंट की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित विदाई प्रसंग पर अपने प्रवचन में साध्वीश्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि विनय ज्ञान का अलंकार है और ज्ञान का अहंकार ज्ञान को कलंकित करता है। दूसरों को देखना बहुत सरल है किंतु स्वयं को देखना ही साधना है। साधक ही अपना भव भ्रमण सीमित कर सकता है। आत्मा को जाने बिना सभी ज्ञान अधूरा है। आगामी कार्तिक पूर्णिमा हमें पूर्ण बनने का संदेश देने आ रही है। जिन्होंने आचरण किया है मात्र उन्हीं के लिए यह चातुर्मास यशस्वी, ऐतिहासिक, टिकाऊ और सार्थक रहा है। जिनवाणी सुनना ही जीवन का समाधान नही है। आचरण समाधान है। अनेक सदस्य व महिला मंडल की सदस्याओं ने साध्वी वृंद के प्रति अपने कृतज्ञता व्यक्त की। जेपीपी महिला फाउंडेशन एवं मकाना ग्रुप ने अपनी प्रस्तुति दी। चातुर्मास समाप्ति प्रसंग पर अलसूर महिला मंडल ने स्वधर्मी भक्ति के अंतर्गत जरूरतमंदों को घर उपयोगी राशन सामग्री प्रदान की। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभी साध्वीवृंद का गुणानुवाद किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

राजराजेश्वरीनगर में आयोजित हुई 'तेरापंथ दर्शन' कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा राजराजेश्वरी नगर द्वारा आचार्यश्री महाश्रमणजी के निर्देशानुसार भिक्षु चेतना वर्ष में आराध्य को ज्ञानात्मक श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य एवं महासभा के तत्वावधान में 'तेरापंथ दर्शन' कार्यशाला का आयोजन रविवार को किया गया। साध्वीश्री ने श्रावकों की अनेक जिज्ञासाओं का समुचित समाधान किया तथा कहा आचार्य भिक्षु के विचार आज भी प्रासंगिक है। आवश्यकता है उन्हें गहराई से जानकर-समझकर ग्रहणकर अपनाने की। स्वामीजी ने धर्मसंघ में जिन मर्यादाओं और अनुशासन का बीजारोपण किया उसी का परिणाम है कि आज तेरापंथ अन्यों के लिए मिसाल बन गया है।

चेन्नई से आए प्रशिक्षक उपासक पदमचंद आंचलिया ने 'धर्म की कसौटी एवं धर्म करने का अधिकारी कौन' विषयों का विस्तृत विश्लेषण किया। उन्होंने बताया कि सब जीवों में मनुष्य जीवन श्रेष्ठ है क्योंकि उसमें ही मोक्ष जाने की योग्यता है। मनुष्य में त्याग मूलक प्रवृत्ति एवं चिंतन करने की क्षमता है। दान एवं दया के लौकिक-लोकोत्तर दोनों पक्षों को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा आचार्य भिक्षु ने कभी भी दान का निषेध नहीं किया किन्तु लौकिक-लोकोत्तर की भेद रेखा को स्पष्ट किया। हृदय परिवर्तन में धर्म है, बलप्रयोग अथवा प्रलोभन में नहीं। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन उपासिका मधु कटारिया ने किया। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। साध्वी वर्धमानयशाजी ने आचार्य भिक्षु एवं तेरापंथ के उद्भव पर जानकारी दी। साध्वी बोधिप्रभाजी ने तेरापंथ धर्मसंघ की मूर्तिपूजा संबंधित सटीक जानकारी प्रस्तुत की। उपासिका कंचन छाजेड़ ने दान एवं दया तथा उपासिका लता बाफणा ने मर्यादा तथा व्यवस्था विषय पर प्रस्तुति दी। मंच का संचालन कार्यशाला संयोजिका उपासिका सरोज बैद ने किया। सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया ने धन्यवाद देते हुए विहार संबंधित सूचना दी।

'वोट चोरी' के बाद 'उम्मीदवार चोरी' में लिप्त है भाजपा : नवीन पटनायक

नुआपाड़ा (ओडिशा)/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सोमवार को विश्वासघात'' का आरोप लगाया और कहा कि आगामी नुआपाड़ा उपचुनाव के सिलसिले में वह अब ''उम्मीदवार चोरी'' में लिप्त है। बीमारी से उबरने के बाद पहली जनसभा को संबोधित करते हुए पटनायक ने नुआपाड़ा के कोम्ना प्रखंड में बीजद उम्मीदवार स्नेहिनी छुरिया के समर्थन में चुनाव प्रचार अभियान शुरू किया।

पटनायक ने आरोप लगाया, आप सभी जानते हैं कि बीजद के साथ विश्वासघात हुआ है। जो लोग पहले 'वोट चोरी' में लिप्त थे और सरकार बना चुके हैं, उन्होंने अब 'उम्मीदवार चोरी' शुरू कर दी है। बीजद प्रमुख पटनायक का इशारा परोक्ष तौर पर बीजद के दिवंगत विधायक राजेंद्र ढोलकिया के बेटे जय ढोलकिया की ओर था, जो उपचुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे और अब भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। राजेंद्र ढोलकिया के आठ सितंबर को निधन के बाद यह उपचुनाव कराना पड़ा जरूरी हो गया। इस सीट के लिए 11 नवंबर को मतदान होगा। वोट चोरी और उम्मीदवार चोरी में शामिल लोगों को करारा जवाब देने का आग्रह करते पटनायक ने मतदाताओं से मतदान के दिन शंख (बीजद का चुनाव चिह्न) दबाने की अपील की।

पटनायक ने अपने 10 मिनट के भाषण के दौरान ओडिशा में भाजपा सरकार के प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया, पिछले 16 महीनों में भाजपा सरकार ने विकास पर नहीं, बल्कि सिर्फ़ प्रचार पर ध्यान केंद्रित किया है। वे प्रचार में तो हीरो' हैं, लेकिन ''काम में जीरो' हैं। पूरे राज्य में विकास गतिविधियां पूरी तरह ठप हो गई हैं।''

स्वच्छता अभियान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के भोजपुरी समाज सेवा समिति के सदस्यों ने छठ पूजा के उपरांत रविवार को नन्दन फुटबॉल ग्राउंड व उसके आसपास के इलाके में स्वच्छता अभियान चलाया तथा स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाई। संगठन के अध्यक्ष संजयसिंह उज्जैन, महासचिव ललितेश्वर प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष जेबी सिंह, सहकोषाध्यक्ष नवीनकुमार सिंह आदि सदस्यों सहित बीबीएमपी के सफाई कर्मियों ने भी इस अभियान में भाग लिया तथा जागरूकता फैलाई।

जीतो जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योर्स चैप्टर की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज विंग ने जेबीएन स्वयम् वी-प्रेन्योर्स चैप्टर की साप्ताहिक व्यावसायिक बैठक जीतो कार्यालय में आयोजित की। बैठक में पच्चीस सदस्याओं व चार अतिथियों ने भाग लिया। अतिथि वक्ता नृत्य निर्देशिका, कोरियोग्राफर वृद्धि ने अपने विचार व्यक्त किए। उनकी गतिविधि ने सभी को नृत्य के माध्यम से अभिव्यक्ति, टीमवर्क और प्रसन्नता का सुंदर अनुभव कराया। बैठक का अलग अलग सत्र का संचालन सलोनी नेतानी, निशा कोठारी और राजुल किशोर ने किया। विभिन्न सत्रों में व्यवसायिक चर्चा, अनुभवों का आदान-प्रदान और नेटवर्किंग का अवसर मिला। महिला विंग की अध्यक्षा बबीता रायसोनी और मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि स्वयम् वीप्रेन्योर्स केवल एक व्यावसायिक मंच नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, एकता और नेतृत्व की पहचान है।

'दरबार स्थानांतरण' की परंपरा फिर शुरू होने पर जम्मू में उमर अब्दुल्ला का गर्मजोशी से स्वागत

जम्मू। जम्मू कश्मीर में चार साल के अंतराल के बाद ऐतिहासिक 'दरबार स्थानांतरण' (दरबार मूव) परंपरा फिर से शुरू होने पर सोमवार को जम्मू के लोगों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस परंपरा के तहत जम्मू कश्मीर की राजधानी और प्रशासनिक कार्यालय सर्दी के मौसम में श्रीनगर से जम्मू और गर्मी में जम्मू से श्रीनगर स्थानांतरित किए जाते हैं।

अपने सरकारी आवास से मुख्यमंत्री के रघुनाथ बाजार होते हुए सिविल सचिवालय पहुंचने के मार्ग में रेजीडेंसी रोड पर उमड़ी भीड़ ने अब्दुल्ला का स्वागत किया, जहां व्यापारियों और आम नागरिकों ने उन पर फूल बरसाए। ढोल-नगाड़ों और जश्न के नारों के बीच मिठाइयां बांटी गईं। उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी और जलशक्ति मंत्री जावेद राणा के साथ अब्दुल्ला सुबह करीब नौ बजे अपने सरकारी आवास से निकले। सचिवालय पहुंचने के लिए उन्हें रघुनाथ बाजार से अपने वाहन पर सवार होना पड़ा।

अब्दुल्ला के पैदल आने के फैसले की स्थानीय लोगों ने सराहना की जिन्होंने इसे उनकी विनम्रता और लोगों से जुड़ाव का प्रतीक माना। मुख्यमंत्री को जम्मू कश्मीर पुलिस की टुकड़ी ने सलामी गारद दिया और सिविल सचिवालय पहुंचने पर उन्होंने सलामी ली जहां लोगों का एक और समूह ढोल बजाते हुए उनका इंतजार कर रहा था और अब्दुल्ला के काफिले को देखकर फिर से फूल बरसाए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''आज जब मैं अर्द्धवार्षिक दरबार स्थानांतरण के लिए जम्मू पहुंचा तो मुझे जम्मू के लोगों का गर्मजोशी से भरा और जोशीला स्वागत पाकर बहुत खुशी हुई। मैंने शहीदी चौक और रघुनाथ बाजार में व्यापारियों और नागरिक संगठन के सदस्यों से बातचीत की।''

जोधपुर एसोसिएशन का दीपावली स्नेह मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जोधपुर एसोसिएशन का दीपावली स्नेह मिलन रविवार को अग्रवाल फार्म हाऊस पर आयोजित हुआ। उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता ने संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया और दीपावाली तथा कन्नड़ राज्योत्सव की शुभकामनाएं दी। मंत्री राजेश भंडारी ने बताया कि रितेश धोका के नेतृत्व में सदस्य परिवारों के मनोरंजन के लिए आयोजित 'दिवाली फंटूश' के तहत सभी उम्र के युवक,युवती, बालक और बालिका ने उत्साह से भाग लिया। भंडारी ने दिसम्बर माह में होने वाली बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता और 4 जनवरी को प्रायोजक एलसी भंडारी के सौजन्य से आयोजित होने वाली हल्दी गोठ स्नेह मिलन की जानकारी दी। स्नेह मिलन में समाज के मेधावी व प्रतिभाशाली शशांक धारीवाल, महक दुगड़, सांची सिंघवी, माहिका मेहता, शौर्य दुगड़ सका सम्मान कमलराज केवलराज भण्डारी परिवार के सौजन्य से किया गया।स्नेह मिलन के प्रायोजक रविन्द्र ,अभिषेक कोठारी परिवार एवं सुषमा राजेंद्र कर्नावट परिवार का सम्मान संरक्षक धीरेन्द्र कुमार सिंघी, एलसी भंडारी , राजेन्द्र लोढ़ा , सज्जनराज मेहता, राजेश भंडारी, कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा,सहमंत्री देवेंद्र कोठारी और पूर्व अध्यक्ष अशोक व्यास ने किया। दिवाली बम्पर लाटरी और दिवाली फंटूश कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहे । सभी विजेताओं को पुरस्कार दिया गया।

पुरस्कार — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वर्षिनी योग एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट द्वारा महात्मा गांधी खेल मैदान तुमकुर में राष्ट्रीय स्तरीय योग स्पर्धा का आयोजन किया जिसके समापन समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com